25/-₹

हिन्दी साप्ताहिक

# विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-42 जौनपुर 14 नवम्बर, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

## विश्वकर्मा सेवा संस्थान अयोध्या द्वारा प्रतिभाओं का सम्मान

## भगवान विश्वकर्मा एवं उनके वंशज पुस्तिका का हुआ विमोचन

TM VEW Vishwakarma Engineering Works

ALL KIND OF NEW MACHINERY
TEXTILE MACHINES &
ALL VALUE ADDED FABRIC MACHINES MANUFACTURER

BSCIC NABCB QM 038 ISO 9001 REGISTERED

**Vijay R. Mistry**
Mob.-9825154496

# VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS

Shearing Machine

Warr Center Cutting Machin

Warp Butta Cutting Machine

Roll Press Machine

Calendar Machine
& Bags Polish

Five Roll Calendar
& Iron Press Mac

-Office Address-
Plot No.64, Vinayak Chambers, Jawahar Road, Road No.– 4, Udhna Udhyog Nagar, Surat–394210 (Gujarat)
Factory-Plot No.B/1,73-74,Bhagwati Ind. Estate, Nr Navin Flourine Colony, Bhestan, Surat.
PHONE NO. : +91-261-2274380, CELL : +91-9825154496,
e-mail address : vijayr.mistry@yahoo.com website : http://vishwakarmaengineering.com
http://www.vishwakarmaengineeringwork.in/ http://www.vishwakarmaengineeringwork.com/
https://www.youtube.com/channel/UCdpT7D2K_DHwXGYnZ-Qo_lw

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
**विश्वकर्मा किरण**
**हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका**

वर्ष-20 अंक-42
जौनपुर, 14 नवम्बर, 2019
पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

**प्रेरक**
रघबीर सिंह जांगड़ा
मो0: 9416332222
*****
**सम्पादक**
कमलेश प्रताप विश्वकर्मा
मो0: 9454619328
*****
**सह सम्पादक**
विजय कुमार विश्वकर्मा
E-mail: sharmavijay86@gmail.com
*****
**सह सम्पादक**
धीरज विश्वकर्मा
मो0: 9795164872
*****
**समन्वय सम्पादक**
शिवलाल सुथार
मो0: 8424846141
*****
**मुम्बई ब्यूरो**
इन्द्रकुमार विश्वकर्मा
मो0: 9892932429
*****
**जौनपुर ब्यूरो**
संजय विश्वकर्मा
मो0: 9415273179

**-:सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालयः-**
डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग
(भाजपा कार्यालय के सामने)
त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज
लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।
**सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा**

website: www.vishwakarmakiran.com
E-mail: news@vishwakarmakiran.com

**-:मुख्य संरक्षकः-**
**विश्वकर्मा जागरूकता मिशन**

## सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

# सामाजिक एकता व विकास में बाधक लोहार-बढ़ई के संगठन

जी हां, यह बात कड़वी जरूर है पर सच है। देश में बने लोहार और बढ़ई के संगठनों ने विश्वकर्मा समाज की सामाजिक एकता व विकास में बाधा पहुंचाने का काम किया है। आज जब पूरे देश में 'विश्वकर्मा' के नाम पर एक ताकत बनाने की बात होती है तो उसमें लोहार-बढ़ई करने वाले लोग अपना हित साधने में लग जाते हैं। ऐसे लोग कतई समाज के हितैषी नहीं हो सकते। मैं नहीं कहता कि आप संगठन न बनाइये, एक नहीं, हजार संगठन बनाइये परन्तु उद्देश्य साफ होना चाहिये कि यह संगठन 'विश्वकर्मा' के नाम पर विश्वकर्मा समाज के हित में काम करेगा। लोगों को यह नहीं भूलना चाहिये कि विश्वकर्मा ही हमारी पहचान और ताकत है। विश्वकर्मा समाज के जितने भी संगठन हैं चाहे वह विश्वकर्मा के नाम पर बने हों, शिल्पकार के नाम पर बने हों, लोहार के नाम पर बने हों या फिर बढ़ई के नाम पर बने हों, सभी के उद्देश्यों में राजनीतिक उद्देश्य जरूर छिपा होता है। सभी की मांग होती है कि उन्हें राजनीतिक भागीदारी दी जाय। लोग राजनीतिक भागीदारी की बात तो करते हैं परन्तु जिस ताकत की बदौलत भागीदारी मिल सकती है, उस ताकत को बनाने की बात कोई नहीं करता। सम्पूर्ण विश्वकर्मा समाज अन्दर से बहुत मजबूत है और एक भी है, उसे कमजोर करने का काम निजी स्वार्थ में बने लोहार और बढ़ई के संगठन कर रहे हैं। यही कमजोरी हमें शासन-सत्ता से भी दूर किये हुये है। विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष और पदाधिकारी एक दूसरे के साथ उठना-बैठना तक पसंद नहीं करते। उनका घमण्ड उन्हें साथ नहीं खड़ा होने देता। लोगों की आपसी संवादहीनता और दूर कर दे रही है।

दूरी सिर्फ लोहार-बढ़ई में ही नहीं, लोहार की लोहार से और बढ़ई की बढ़ई से भी दूरी है। यह दूरी सिर्फ खुद के बनाये हुये संगठन के नाम पर है। खुद बनाया संगठन लोगों को इतना घमण्डपूर्ण बना दिया है कि जैसे उन्होंने संगठन बनाते ही सबकुछ हासिल कर लिया है। बाद में पता चलता है कि उनके हाथ तो कुछ भी नहीं लगा। ऐसे संगठन समाज के लोगों को गुमराह करके अपने साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं। समाज का व्यक्ति यदि किसी संगठन से जुड़ गया तो दूसरे संगठन के लिये जैसे वह दुश्मन हो जाता है। ऐसी स्थिति में समाज व्यक्ति का नुकसान भी हो जाता है। यह स्थिति सिर्फ नासमझी के कारण होती है।

विश्वकर्मा समाज के सभी वर्गों के लोगों को ''विश्वकर्मा'' के नाम पर एकजुट होकर एक ताकत बनाने की आवश्यकता है। विश्वकर्मा शब्द की पहचान पूरे देश में है। विश्वकर्मा के नाम पर ताकत बनेगी तो शासन-सत्ता में बिन मांगे भागीदारी मिल जायेगी। लोहार का संगठन बनाकर लोहार को भागीदारी, बढ़ई का संगठन बनाकर बढ़ई को भागीदारी देने की बात करते हैं, उन्हें विश्वकर्मा समाज को भागीदारी की बात करनी चाहिये। लोहार-बढ़ई के नाम पर आपस में नफरत फैलाने वालों को समाज के लोगों को करारा जवाब देना चाहिये। हमारे एक ही ईश्वर 'विश्वकर्मा' हैं और हमारी पहचान व ताकत 'विश्वकर्मा' है।

# विश्वकर्मा सेवा संस्थान अयोध्या ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

अयोध्या। विश्वकर्मा सेवा संस्थान अयोध्या के तत्वाधान में विश्वकर्मा प्रतिभा सम्मान एवं परिचय सम्मेलन का आयोजन देवांशी गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन जयसिंहपुर अयोध्या में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी भरत सुथार अहमदाबाद थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदीप विश्वकर्मा राजनैतिक संपादक के न्यूज चैनल लखनऊ, सुश्री पार्वती जांगिड़ चेयरपर्सन यूथ पार्लियामेंट ऑफ इंडिया जोधपुर, डॉ0 संतलाल विश्वकर्मा भाषा सलाहकार रायबरेली उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्थान द्वारा राम प्यारे विश्वकर्मा वरिष्ठ समाजसेवी कृषि उद्योग क्षेत्र में, डॉ0 सूर्य प्रसाद निसिहर साहित्य के क्षेत्र में, सुश्री श्वेता विश्वकर्मा पीसीएसजे में चयनित होने पर, एडवोकेट राम कृपाल विश्वकर्मा 17 भाषाओं के ज्ञाता, डॉ0 मदन मोहन विश्वकर्मा समाज सेवा के क्षेत्र में, कनकलता विश्वकर्मा व डा0 अनिल कुमार विश्वकर्मा शिक्षा के क्षेत्र में, डा0 राजेश विश्वकर्मा एडवाकेट हाईकोर्ट इलाहाबाद, कमलेश प्रताप विश्वकर्मा सम्पादक सहित समाज के विलक्षण प्रतिभा के धनी सभी लोगों को 'विश्वकर्मा रत्न' सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में हाईस्कूल और इण्टर के लगभग 22 छात्र–छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समाज को गौरवान्वित करने के लिए प्रशस्ति पत्र, गोल्ड मेडल और साइकिल देकर उनका सम्मान किया साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सम्मानित अतिथियों और संस्थान के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से संस्थान की पत्रिका विशेसं के तृतीय संस्करण का विमोचन भी किया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में शिक्षा, संस्कार और हुनर निखारने के प्रति अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सचिवालय में अनुभाग अधिकारी राजेश्वरी प्रसाद विश्वकर्मा तथा संचालन डॉ0 अनिल कुमार विश्वकर्मा ने किया। संस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार विश्वकर्मा सहित सभी पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों को अंग वस्त्र व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए संस्थान के संस्थापक डॉ0 रमेश कुमार वर्मा, सह संस्थापक डॉ0 अनिल कुमार शर्मा और संस्थान के समस्त पदाधिकारियों ने अतिथियों और आगन्तुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर डा0 मदनलाल विश्वकर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी मेवालाल विश्वकर्मा, डा0 मोहनलाल सुथार जोधपुर, रामधनी विश्वकर्मा, सिंगर शिवकुमार विश्वकर्मा, साहबदीन विश्वकर्मा, रामकृपाल विश्वकर्मा, इं0 रामसुन्दर विश्वकर्मा, रंजीत शर्मा, महेश विश्वकर्मा, रामकेश विश्वकर्मा, प्रीतम विश्वकर्मा, कर्मराज शर्मा, डा0 सन्तोष विश्वकर्मा सहित विश्वकर्मा सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारीगण, सदस्यगण व विश्वकर्मा समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

# विश्वकर्मा सेवा संस्थान द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह की झलकियां

# देश का विकास और निर्माण विश्वकर्मा समाज से ही प्रारम्भ हुआ– रामआसरे विश्वकर्मा

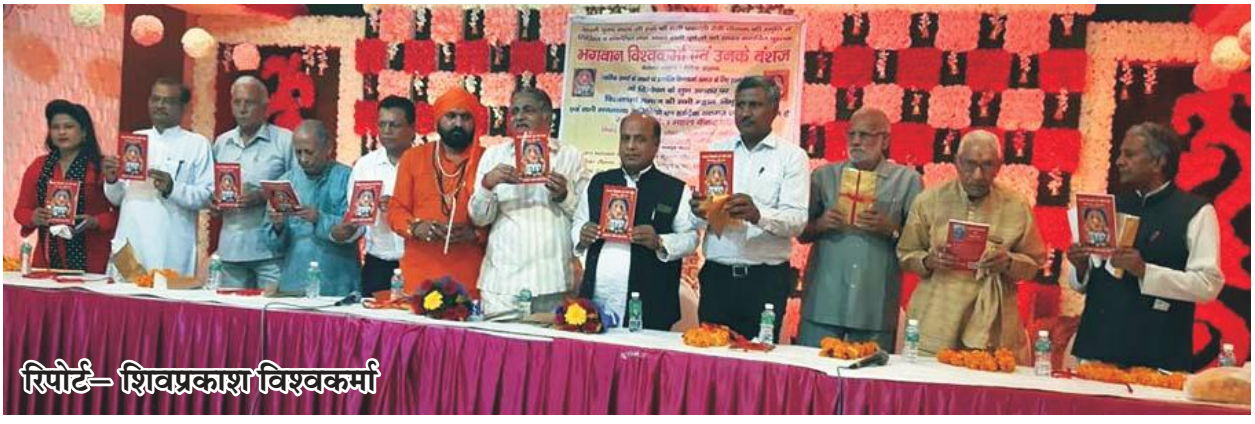

रिपोर्ट– शिवप्रकाश विश्वकर्मा

गाजियाबाद। देश का विकास और निर्माण विश्वकर्मा समाज से ही प्राम्भ हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन और भारत के राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह विश्वकर्मा समाज में पैदा होकर विश्वकर्मा समाज का नाम आगे बढ़ाया। उक्त उद्गार पूर्व मन्त्री व अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा ने भगवान विश्वकर्मा पर लिखी गई पुस्तक के विमोचन अवसर पर व्यक्त किया।

उन्होंने ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण के देवता के रूप जाना जाता है। भगवान शिव को सोने का महल, भगवान कृष्ण को द्वारिकापुरी, भगवान इन्द्र को इन्द्रपुरी तथा यम को यमपुरी और भगवान राम के लिये पुष्पक विमान का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था। देश और दुनिया के विकास और तकनीकी निर्माण में भगवान विश्वकर्मा और उनके वंशजो का बहुत बड़ा योगदान रहा है। सूचना क्रान्ति के

जनक सैम पित्रोदा तथा सरदार पटेल के मूर्ति का प्रारूपकार राम वी सुतार तथा साइकिल के आविष्कारक अस्ट्रेलिया के मैकमिलन तथा होंडाकार का आविष्कार करने वाले जापान के साइचिरो होंडा सभी विश्वकर्मा समाज के हैं। उन्होंने स्वयं समाजवादी पार्टी की सरकार में मन्त्री पद पर रहते हुये अनेकों कार्य किये। सपा सरकार में ही भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस 17 सितम्बर के अवसर पर सार्वजनिक हुआ था जिसे वर्तमान सरकार ने निरस्त कर दिया। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि सपा सरकार में कई शहरों में सड़क, चौराहे, पार्क आदि का निर्माण भगवान विश्वकर्मा के नाम पर कराये गये। समाज के गरीब व पीड़ित लोगों की मदद की तथा सदैव समाज के लिए काम करते रहेंगे।

गाजियाबाद के पाण्डवनगर स्थित मार्शल महल बैंकट हाल में 'भगवान विश्वकर्मा एवं उनके वंशज' वेदोक्त ब्राह्मण/वैदिक ब्राह्मण धार्मिक ग्रन्थों के प्रमाणों के आधार पर पुस्तक का विमोचन पूर्व मन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा, प्रख्यात पत्रकार डा0 रामजी लाल जांगिड, समाजसेवी निधि

विश्वकर्मा, प्रसिद्ध वास्तुविद नरेन्द्र धीमान, विश्वकर्मा जगत-गुरु शंकराचार्य बाबा औघड़नाथ उर्फ मौनी बाबा आदि के द्वारा किया गया। इस अवसर पर चैन्या विश्वकर्मा ने अपनी मधुर आवाज में भगवान विश्वकर्मा भजन 'भजो रे मन विश्वकर्मा भगवान' तथा सरस्वती वन्दना की। इस बालिका की आवाज बेहद मधुर है जिसकी सभी ने करतल ध्वनि से प्रशंसा की।

विमोचित पुस्तक में विभिन्न धार्मिक ग्रन्थों से भगवान विश्वकर्मा के बारे में प्रमाणिक जानकारी, भगवान विश्वकर्मा की कृतियां तथा कला, साहित्य, खेल, उद्योग, राजनीति, फिल्म, संगीत आदि क्षेत्रों में लगभग तीन सौ विश्वकर्मा समाज की महान विभूतियों की जानकारी है। जिसमें प्रमुख रूप से सरदार जस्सासिंह रामगढ़िया, भाई लालो जी, गुरू रामसिंह जी जगत-गुरु, आदि शंकराचार्य, पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, संचार क्रांति के जनक सैम पित्रोदा, द्रोणाचार्य अवार्डी राज सिंह, पद्मश्री वीतराग स्वामी कल्याण देव, स्वामी भीष्म, फिल्मकार रामानन्द सागर, क्रिकेटर हरभजन सिंह, एक्टर अजय देवगन, प्रीति जिन्टा, जगजीत सिंह गजल गायक, गायक उदित नारायण, सरदार महेन्द्र सिंह साथी, अमेरिका में पहले भारतीय सीनेटर दिलीप सौध आदि प्रमुख हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदि गुरु शंकराचार्य मौनी बाबा (कनखल, हरिद्वार) तथा संचालन आर0के0 शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाजसेवी (एक्टिव ग्रीन संस्था की संचालक) बबिता धीमान (पूर्व मेयर

प्रत्याशी गाजियाबाद), राजेन्द्र पांचाल (प्रदेश अध्यक्ष पांचाल सभा उ0प्र0), रामजी लाल जांगिड़ (हिन्दी पत्रकारिता के जनक एवं विख्यात पत्रकार भारतीय जनसंचार संस्थान के संस्थापक), इं0 एस0पी0 सिंह पांचाल (वरिष्ठ तथा सक्रिय समाजसेवी मेरठ), जय भगवान धीमान, यशपाल जांगिड़ मेरठ (वरिष्ठ समाज सेवी एवं प्रदेश प्रवक्ता, अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, एवं सचिव, विश्वकर्मा महासंघ, उत्तर प्रदेश), वेदप्रकाश शर्मा (वरिष्ठ समाज सेवी व भजन गायक), दिवाकर विश्वकर्मा (एक्टर व सिंगर), नरेन्द्र धीमान (विश्वकर्मा धीमान सभा दिल्ली के अध्यक्ष), यशपाल धीमान (धीमान ब्राह्मण समाज कल्याण सभा गाजियाबाद अध्यक्ष), वरिष्ठ पत्रकार एवं भगवान श्री विश्वकर्मा जी के भक्त अजेय भारद्वाज (भगवान श्री विश्वकर्मा ज्ञानपीठ, दिल्ली), रामगोपाल वत्स (टाँक ब्राह्मण समाज सभा के संरक्षक), कैप्टन चन्द्रपाल पांचाल (विश्वकर्मा समाज सभा गाजियाबाद अध्यक्ष), नित्यानन्द वशिष्ठ धीमान, ब्रजेन्द्र धीमान उपाध्यक्ष, अजय शर्मा, काजल शर्मा, महेश शर्मा, दिनेश धीमान शामली, संजय धीमान मुजफ्फरनगर, विश्वकर्मा ब्रिगेड के

## आदित्य कुमार धीमान द्वारा लिखित पुस्तिका का हुआ विमोचन

प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष विश्वकर्मा बिजनौर, अम्बरीष धीमान, जयपाल धीमान, इ0 जे0के0 शर्मा, भाजपा नेता राजू पांचाल, दिनेश शर्मा, बालेशवर पांचाल, मनोज शर्मा, योगेश शर्मा, राजेश शर्मा जगदीश प्रसाद शर्मा, प्रदीप शर्मा, पुष्पा शर्मा, दीपिका धीमान, पूर्णिमा शर्मा, अनिल धीमान, जयपाल धीमान, ममता धीमान, उमेश कुमार शर्मा, अशोक धीमान, आयुष, प्रखर, सिद्धान्त, निपुण, आशुतोष धीमान, दिव्यांक शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

पुस्तक के संकलनकर्ता तथा लेखक आदित्य कुमार धीमान हैं। यह पुस्तक उन्होंने अपनी स्वर्गीय माता जी प्रकाशी देवी धीमान की स्मृति में लिखी है और उन्हीं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि साहित्य का समाज के विकास तथा एकजुटता में बड़ा योगदान होता है।

विमोचन समारोह में सभी वक्ताओं ने समाज की कुरीतियों को दूर करने का आह्वान किया तथा सरकार से भगवान विश्वकर्मा के नाम पर तकनीकी विश्वविद्यालय बनाने तथा गाजियाबाद का नाम विश्वकर्मा नगर रखने की मांग की।

# सामूहिक विवाह सम्मेलन से बढ़ती है आपस में समरसता- रिछपाल दास महाराज

शाहपुरा। त्रिवेणी धाम में देवउठवनी एकादशी के अवसर पर ब्रह्मलीन पद्मश्री संत शिरोमणि नारायण दास जी महाराज के पावन सानिध्य व खोजीद्वाराचार्य रिछपाल दास महाराज के मार्गदर्शन में निःशुल्क आदर्श जांगिड़ ब्राह्मण सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति शाहपुरा के तत्वावधान में जांगिड़ समाज के 10 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। उपस्थित लोगों को आशीर्वाद देते हुए

रिपोर्ट– मनोज कुमार शर्मा

महंत रिछपाल दास महाराज ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से लोगों में आपसी समरसता व भाईचारे की भावना बढ़ती है तथा कुरीतियों का उन्मूलन होता है। महाराज ने कहा कि आपसी भाईचारे व सद्भाव की भावना से ही स्वस्थ व आदर्श समाज का निर्माण होता है।

कार्यक्रम में महाराज व कथावाचक पं0 गणपति विश्वनाथ शास्त्री का शाल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पहाड़गंज मंदिर समिति अध्यक्ष गंगादीन जांगिड़ ने कहा कि लोगों को सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन में एकजुट होकर समाज के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सम्मेलन का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए समिति अध्यक्ष दामोदर पंवार ने बताया कि समिति द्वारा यह छठवां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें वर-वधू का विवाह निःशुल्क किया जाता है। कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल आसल्या ने समिति को भामाशाह द्वारा दिए गए सहयोग का विवरण प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के दौरान अति विशिष्ट अतिथि अलवर जिला अध्यक्ष मदनलाल जांगिड़, महामंत्री सोहन लाल जांगिड़, प्रदेश उपाध्यक्ष सीताराम टटेरा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नंदलाल जांगिड़, भामाशाह गौरीशंकर जांगिड़, घनेंद्र जांगिड़, पुरुषोत्तम जांगिड़, अंगिरा धाम के पूर्व अध्यक्ष श्रवण जांगिड़, तहसील अध्यक्ष थानागाजी रामप्रताप जांगिड़, ओमप्रकाश जांगिड़, जमवारामगढ़ सूरजमल जांगिड़, बस्सी रमेश रावत, विराटनगर बाबूलाल जांगिड़, अंगिराधाम अध्यक्ष छीतरमल जांगिड़, घनेंद्र जांगिड़, जांगिड़ युवा शक्ति के लालचंद जांगिड़, सुरेश जांगिड़, राम नरेश जांगिड़, अजय जांगिड सहित कई लोगों ने विचार व्यक्त कर समाज के

विकास के सुझाव पर प्रकाश डाला। मंच संचालन कवि सीताराम टटेरा व अध्यक्ष दामोदर पंवार द्वारा किया गया।

केन्द्रीय मीडिया कमेटी सदस्य मनोज जांगिड़ ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कार्यक्रम भी शामिल करने की आवश्यकता जताई। महामंत्री प्रेम कुमार जांगिड़ व कोषाध्यक्ष सत्यनारायण जांगिड़ ने गत सामूहिक विवाह सम्मेलन व छठवें सामूहिक विवाह सम्मेलन के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। अमरचंद जाला ने बताया कि सामूहिक विवाह में तेजपाल संग रीतिका, योगेश संग रितु, संतोष संग रीना, अनिल संग प्रियंका, छोटेलाल संग कल्पना, अमित संग वर्षा, मोतीराम संग मंजू, दशरथ संग सुमन, रोनक संग आशा, सतीश संग विनीता का विवाह संपन्न हुआ।

पाणिग्रहण संस्कार के दौरान महंत रिछपाल दास महाराज ने वर-वधुओं को आशिर्वाद प्रदान किया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में अतिथियों, भामाशाहों, प्रतिभाओं, कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने वाले कार्यकर्ताओं को त्रिवेणी धाम तीर्थ स्थल, ब्रह्मलीन संत शिरोमणी नारायण दास महाराज व रिछपाल दास महाराज का चित्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने दूल्हा-दुल्हन को उपहार प्रदान कर विदाई दी। जांगिड़ समाज के इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में हजारों लोगों ने भाग लिया।

सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा संत प्रसादी का आयोजन-

त्रिवेणी धाम शाहपुरा में आयोजित सामूहिक विवाह के उपलक्ष्य में सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति द्वारा संत प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित सामाजिक सम्मेलन में महंत रिछपालदास महाराज ने कहा सामूहिक कार्यक्रमों व आध्यात्मिकता से व्यक्ति में सद्भावना की भावना का विकास होता है। मुख्य अतिथि उद्योगपति घनेंद्र जांगिड़ ने कहा कि लोगों को आपसी सद्भाव व प्रेम की भावना से रहने पर ही व्यक्ति व परिवार का जीवन सुखी रह सकता है। विशिष्ट अतिथि राजेश जांगिड़ खटकड़ ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों का उन्मूलन होता है। कार्यक्रम के दौरान त्रिवेणी धाम में विमलपुरा मौजूद साधु-संतों को पंगत प्रसादी वितरित की गई।

पंगत प्रसादी के दौरान जांगिड़ समाज के बंधुओं सहित त्रिवेणी धाम के विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में रामेश्वर प्रसाद जांगिड़, गजेंद्र जांगिड़, गिरधारी लाल जांगिड़, महेश कुमार जांगिड़, सीताराम जांगिड़, कैलाश चंद्र जांगिड़, जगदीश प्रसाद कांट सहित संस्था के पदाधिकारीगण व सैकड़ों की संख्या में जांगिड़ समाज के लोग मौजूद थे।

## सामूहिक कार्यक्रमों व आध्यात्मिकता से व्यक्ति में सद्भावना की भावना का विकास होता है- रिछपालदास महाराज

## आपसी सद्भाव व प्रेम की भावना से रहने पर ही व्यक्ति व परिवार का जीवन सुखी रह सकता है- घनेन्द्र जांगिड़

# सामाजिक विकास के लिये संगठनों को तय करना होगा लक्ष्य

काश, समाज के निश्चित विकास के लिए सभी संगठन कुछ कार्यक्रमों पर अमल करते हुए लक्ष्य बनाते, जिससे कि समाज को लोकतांत्रिक व्यवस्था में सर्वश्रेष्ठ होने का गौरव प्रदान कराया जा सकता। समाज के पूर्ण विकास के लिए मेरा मत है कि सम्बंधित राज्यों के विधानसभा या लोकसभा चुनाव के पूर्व बहुत बड़ी रैली करते हुए अपनी ताकत का एहसास कराना। ऐसी ताकत का एहसास कराने के लिए दलगत व संस्था की भावना का त्याग करते हुए एक मंच पर आकर सभी नेताओं व समाजसेवियों को मिलकर स्वस्थ चेतावनी राजनीतिक दलों को देना कि हम सभी एक और संगठित हैं ताकि समाज के नेताओं को उनके दलों में उचित सम्मान व हक मिल सके।

गरीबी रेखा व अन्य आवश्यकता के अनुसार समाज के लोगों को चिन्हित करना, उन्हें उस वर्ग में सम्मिलित कराना ताकि सम्बंधित सरकारी योजना समाज के अधिकतर जरूरतमंदों को मिल सके। प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों को घर, सभी छात्रों को संबंधित स्कूलों से स्कॉलरशिप दिलाना उद्देश्य होना चाहिए। विकलांग, वृद्धा, विधवावस्था की पेंशन पात्रों को अवश्य मिले यह सुनिश्चित कराना कर्तव्य होना चाहिए। चाहिए कि केंद्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं से समाज के लोगों को किसी भी कीमत पर लाभांवित कराया जा सके। ऐसी नीति व सिद्धांत का निर्धारण सभी संगठनों के लिए आवश्यक है।

**लेखक-अरविन्द विश्वकर्मा**
**अध्यक्ष**
**राजनारायण सर्वजन उत्थान सेवा संस्थान, लखनऊ**

संगठनों द्वारा प्रत्येक जिले व ब्लाक इकाई को मजबूत करना, ताकि घर-घर जाकर सभी लोगों का डाटा एकत्रित किया जा सके। जिससे कि विवाह योग्य वर व कन्या की वास्तविक जानकारी समय से हो सके और उनका विवाह एक तय उम्र तक समाज द्वारा भागीदारी निभाकर कराई जा सके। पढ़ने वाले छात्रों का अलग से डाटा तैयार करना जिससे कि सभी बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुसार शिक्षा प्राप्त हो सके, यह सुनिश्चित करना होगा। समाज को एक ऐसे संस्थान की स्थापना के लिए प्रयास करना होगा, जो कि विश्वकर्मा वंशियों को अतिरिक्त कौशल मुहैया कराकर किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफल कराने में सक्षम हो। ऐसे संस्थान से शिक्षित व प्रशिक्षित बच्चे समाज से संस्कार का ज्ञान तो पाएंगे ही साथ में ही उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। जिनकी समझ के सहारे समाज अंतर उपजातीय विवाह को बढ़ावा देकर भविष्य में विश्वकर्मा वंशजों की संख्याबल का प्रदर्शन तो करेगा ही, साथ में विश्वकर्मा वंशज हम पांच एक साथ स्वतः आ जाएंगे। निश्चित ही ऐसे प्रशिक्षित बच्चे समाज का आईना होंगे। वह स्वतः निर्धारित कर देंगे कि समाज में विभेद का कोई स्थान नहीं। वे भविष्य में श्रेष्ठ व सर्वश्रेष्ठ समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले होंगे। इसी के साथ प्रत्येक जिले से कम-से-कम 50 लोगों का एक स्वयंसेवक दल बनाना होगा, जो विषम परिस्थितियों में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी परिवारों की तत्काल मदद को उपलब्ध हो। इस प्रकार से संख्या बल के प्रदर्शन से पीड़ित को न्याय मिलने में देर नहीं लगेगी। संगठनों को चाहिए कि भगवान विश्वकर्मा की सम्बंधित संगठन की ओर से फोटो सभी को उपलब्ध कराया जाय ताकि धार्मिकता का प्रचार-प्रसार हो सके और भगवान विश्वकर्मा पर आधारित टीवी धारावाहिक की शुरूआत नितांत आवश्यक है।

अंत में विश्वकर्मा वंशियों के लिए सर्वाधिक खुशी की बात यह है कि हम प्रत्येक गांव में हैं। क्यों-ही न हमारी संख्या किसी विशेष गांव में एक ही परिवार हो। उन सबको इस तरह से उसी उपरोक्त संस्थान से क्रमबद्ध प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वह संबंधित गांवों/क्षेत्रों में सबके चहेते बन सके। समाज के लोग जैसे ही स्थान विशेष में प्रतिनिधित्व करने लगेंगे, हम राजनीतिक रूप से मजबूत आधार स्तंभ की ओर बढ़ चलेंगे। जिससे कि भविष्य में प्रत्येक विश्वकर्मा वंशी जन्मजात ही राजनैतिक होगा और यह कहा जाएगा कि इसका जन्म ही सत्ता प्राप्त कर सेवा करने के लिए हुआ है।

# इस बच्ची के बारे में जानकर हो जायेंगे हैरान आंख बंद कर करती है हैरतअंगेज कारनामें

इलाहाबाद। नैनी की नगरिया पब्लिक स्कूल में कक्षा 5 की 9 वर्षीय छात्रा एंजेलिना विश्वकर्मा (अनुष्का) के अनोखे कारनामें जानकर आप हैरान हो जायेंगे। यह बच्ची अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर बहुत ही अनोखे कार्य कर सकती है। जैसे- आंख बंद करके किताब पढ़ना, किसी भी नोट का नंबर और वर्ष बताना, किसी कार्डसीट को छूते ही उसका रंग बताना, किसी भी किताब को पढ़ना और पेज नम्बर बताना, छोटी सुई में धागा पार करना, किसी के शरीर के अंदर के अंगों को देखने की क्षमता, किसी भी व्यक्ति का आभामंडल (Aura) को देखने की क्षमता, पानी को दी गयी सूचना में बने फिगर को देखने की क्षमता, बारीक से बारीक लिखे अक्षर को बिना लेंस के देखना और पढ़ने की क्षमता, लूडो खेलना, पिक्चर बनाना, पेंट करना, किसी भी व्यक्ति के शरीर के सातो चक्र (Seven Chakra) को देखने की क्षमता, कंप्यूटर और लैपटॉप पे कार्य करना, रात में आकाश के चाँद और तारे देखना, किसी भी वस्तु (Object) को अपनी आवश्कता के अनुसार बड़ा-छोटा करने की क्षमता इस छोटी बच्ची मे हैं।

यह बच्ची भी सभी बच्चों की तरह साधारण है, पर इस बच्ची ने मेडिटेशन और ध्यान के द्वारा अपने अंदर ये हुनर विकसित किया है। यह बच्ची दिन-प्रतिदिन कुछ नया-नया सीखती रहती है। जो भी कार्य हम सभी अपनी खुली आंखों से करते

हैं, वह कार्य ये बच्ची बंद आँखों से उससे कहीं बेहतरीन और अच्छे तरीके से करती है। जिस भी वस्तु को देखने में ये आँखे असमर्थ है, उसे बंद आँखों से देखने के साथ-साथ ये अपने सातो चक्र (Seven Chakra) और अपना आभामंडल (Aura) स्वयं देख सकती है। ये बच्ची बताती है कि मेरा आत्मविश्वास पहले से बढ़ा है, मन शांत रहता है, गुस्सा नहीं आता, प्रकृति से जुड़े रहने और इसे जानने की इच्छा बढ़ती है, नई-नई चीजें सीखने और जानने की जिज्ञासा हमेशा रहती है। बच्ची ने अपनी इस अद्भुत कला का प्रदर्शन अपने विद्यालय के साथ ही कई जगह किया है। इस कला के लिये बच्ची एंजेलिना विश्वकर्मा को कई जगह सम्मानित भी किया जा चुका है। यह बच्ची हैरत भरे कारनामे दिखाते हुए अपने स्कूल, आस-पास और शहर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

# जांगिड़ समाज ने सैनिक सहायता कोष के लिए दी 13 लाख 31 हजार की धनराशि

नई दिल्ली। जांगिड़ समाज के एक प्रतिनिधिमण्डल ने युवा समाजसेवी अनिल एस जांगिड़ के नेतृत्व में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट कर सैनिक सहायता कोष के लिए एकत्रित की गई 13 लाख 31 हजार की धनराशि का चेक भेंट किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जांगिड़ समाज के लोगों द्वारा सैनिकों के कल्याण के लिए सहायतार्थ राशि प्रदान किए जाने पर आभार जताया। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा कि सृष्टि के सृजन में भगवान विश्वकर्मा व विश्वकर्मा समाज के लोगों का अविस्मरणीय योगदान रहा है।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के केंद्रीय मीडिया कमेटी सदस्य मनोज जांगिड़ ने बताया कि उद्योगपति व समाजसेवी अनिल एस जांगिड़ गुरुग्राम व अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष लादूराम जांगिड़ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को राजनीतिक क्षेत्र में काफी आबादी होने के बावजूद समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर प्रकाश डाला।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को अवगत करवाया कि विश्वप्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रतिमा भी विश्वकर्मा वंशज प्रसिद्ध मूर्तिकार राम वी सुथार ने बनाई थी। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल ने जांगिड़ समाज द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न सामाजिक व समाज के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत करवाया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिनिधिमण्डल में शामिल समाज बंधुओं से परिचय प्राप्त किया तथा देशहित के लिए किए गए कार्य की प्रशंसा की।

प्रतिनिधिमण्डल में अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के पूर्व दिल्ली प्रदेश प्रभारी देवमणि शर्मा, पहाड़गंज मंदिर अध्यक्ष गंगादीन जांगिड़, दिल्ली नगर निगम पार्षद अमन जांगड़ा, दिल्ली प्रदेश महामंत्री बंकटलाल जांगिड़, पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर उपाध्यक्ष प्रवीण जांगड़ा सहित कई लोग मौजूद थे।

रिपोर्ट- मनोज कुमार शर्मा

**सृष्टि के सृजन में भगवान विश्वकर्मा व विश्वकर्मा समाज के लोगों का अविस्मरणीय योगदान रहा है- राजनाथ सिंह, रक्षामन्त्री**

**केंद्रीय रक्षामन्त्री राजनाथ सिंह ने जांगिड़ समाज का जताया आभार, प्रतिनिधिमण्डल का लिया परिचय।**

# श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट रेड ब्रिगेड जौनपुर ने प्रतिभागियों को दिया पुरस्कार

–संजय विश्वकर्मा

जौनपुर। श्री संकट मोचन संगठन नखास जौनपुर द्वारा कार्तिक पूर्णिमा, गुरुनानक जयन्ती व देव दीपावली के शुभ अवसर पर शाही पुल के नीचे गोपी घाट के प्रांगण में रंगोली एवं डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उक्त आयोजन में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर द्वारा रंगोली प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तथा डांस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार दिया गया।

उक्त पुरस्कार वितरण में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर के अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा, भानु प्रकाश विश्वकर्मा, राकेश विश्वकर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, विपिन विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, दीपक विश्वकर्मा, डॉ0 पी0के0 संतोषी व इं0 विभोर विश्वकर्मा (अवर अभियन्ता नगर पालिका परिषद जौनपुर) सहित रेड ब्रिगेड के अन्य पदाधिकारीगण सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# श्री विश्वकर्मा सोशल ग्रुप द्वारा विद्यार्थी पुरस्कार समारोह आयोजित

अहमदाबाद। श्री विश्वकर्मा सोशल ग्रुप द्वारा सरस्वती सम्मान एवं विद्यार्थी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे वरिष्ठ समाजसेवी भरत सुथार ने युवाओं को पुरस्कृत करने के साथ ही सम्मान समारोह को सम्बोधित किया।

श्री सुथार ने अपने उद्बोधन में अति पिछड़ी जातियों के आरक्षण के संरक्षण कानून पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आरक्षण के लाभ के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने विश्वकर्मा समाज की एकता का संदेश दिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों के साथ ही काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# श्री विश्वकर्मा जांगिड़ कर्मचारी समिति जोधपुर ने आयोजित किया दीपावली स्नेह मिलन सम्मेलन

जोधपुर। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ कर्मचारी समिति जोधपुर के तत्वाधान में 10 नवम्बर को अरिहंत नगर स्थित छात्रावास में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सभी सदस्यों ने एक दूसरे से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाइयां प्रकट की।

इस अवसर पर वरिष्ठ जनों का सम्मान भी किया गया। सम्मान समारोह का शुभारम्भ भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। समिति के अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने सभी आगन्तुक सदस्यों को दीपावली की हार्दिक बधाइयां देते हुए समाज के सम्मानित व्यक्तियों नंदलाल जांगिड़, चम्पालाल शर्मा, आसाराम जांगिड़ और इंदु शर्मा को मंचासीन करवाया। ओमप्रकाश पीडीहारिया, खेताराम सुथार, कैलाश जांगिड़, मंजूलता शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित हुए। समिति सचिव जसराज सुथार द्वारा मंच का संचालन किया गया। समारोह में लगभग 18 वरिष्ठजनों जिन्होंने अपनी आयु के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं उन्हें मोती-माला व साफा-शाल पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह के साथ भगवत गीता भेंट कर सम्मानित करके आशिर्वाद प्राप्त किया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने छात्रावास में अगले माह 29 दिसम्बर 2019 को छात्रावास में किए जाने वाले विराट जांगिड़ युवक-युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बतलाया कि आज समाज में इस तरह के आयोजन की बहुत बड़ी आवश्यकता है। अपने वयस्क पुत्र–पुत्रियों के लिए योग्य जीवनसाथी को तलाशने के लिए माता-पिता को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यह हम सब प्रतिदिन अनुभव कर रहे हैं। अतः इस तरह के आयोजन द्वारा समाज को बहुत बड़ा लाभ प्राप्त होगा।

परिचय सम्मेलन के निम्न उद्देश्य हैं–

-प्रत्येक युवक-युवती को उपयुक्त

जीवनसाथी के चयन हेतु एक मंच प्रदान करना।

-सुयोग्य वर वधू के चयन हेतु विस्तृत आधार प्रस्तुत करना।

-माता-पिता/अभिभावकों पर न्यूनतम व्यय भार।

-अल्पकाल में ही सुयोग्य वर–वधू के चयन की समस्या का निवारण।

-जांगिड़ समाज में चेतना एवं जागृति का संचार करना।

समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष रामदीन शर्मा ने बताया कि पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र भरकर 15 दिसम्बर 2019 तक जमा करवाना होगा, आवेदन शुल्क 100/–रू0 है। युवक-युवतियों को

अपने अभिभावकों के साथ 29 दिसम्बर 2019 को प्रातः 10:00 बजे छात्रावास में उपस्थित होकर मंच से अपना संक्षिप्त परिचय देना होगा। अंत में भजन गायक पंकज जायलवाल ने भगवान विश्वकर्मा का एक भजन प्रस्तुत कर वातावरण में प्रसन्नता की लहर पैदा की।

# कांस्य पदक विजेता नितिन शर्मा का हुआ सम्मान

गाजियाबाद। कोरिया में आयोजित बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर नितिन शर्मा ने जिले के साथ ही समाज का भी नाम रोशन किया है। नितिन शर्मा गाज़ियाबाद जिले के निवासी हैं। पदक जीतकर अपने गृह जनपद आगमन के बाद जिले के लोगों व विश्वकर्मा समाज के लोगों ने नितिन को बधाई दी।

विश्वकर्मा समाज की तरफ से अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के जिला अध्यक्ष सुखपाल विश्वकर्मा, जीएसटी अधिकारी प्रदीप विश्वकर्मा, अपना समाज विश्वकर्मा समाज के फाउंडर सुधीर शर्मा, प्रेमपाल पांचाल एवं मुकेश पांचाल आदि लोगों ने नितिन शर्मा का स्वागत करते हुये बधाई दी।

# गोरखपुर शहर का विश्वकर्मा मन्दिर और चचाई राम मठ अब पर्यटन केन्द्र में शामिल

गोरखपुर। आध्यात्मिक स्थलों के जरिए पर्यटकों को लुभाने के क्रम में पर्यटन विभाग गोरखपुर के उरुवा में मौजूद चचाई राम मठ और शहर के प्राचीन विश्वकर्मा मन्दिर को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रहा है। विभाग की ओर से इन दोनों स्थलों के सुन्दरीकरण के लिए करीब तीन करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है। शासनादेश जारी होने के बाद पर्यटन विभाग इसे लेकर आगे की तैयारी में जुट गया है।

शासन को भेजा गया प्रस्ताव–

मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने इन दोनों स्थलों को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए विशेष रूप से निर्देशित किया था। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर विश्वकर्मा मन्दिर जाकर मुख्यमन्त्री ने स्थल के विकास की संभावनाओं का जायजा भी लिया था। मुख्यमन्त्री का निर्देश मिलने के बाद पर्यटन विभाग ने दोनों स्थलों को विकसित करने को लेकर एक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था, जिसे बीते सप्ताह शासन ने मंजूर कर लिया। प्रस्ताव के मुताबिक चचाई राम मठ को एक करोड़ 24 लाख रुपये और विश्वकर्मा मन्दिर को करीब डेढ़ करोड़ से पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। दोनों स्थलों पर हर वह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जो प्राथमिक रूप से पर्यटकों के लिए आवश्यक होती है।

सुंदरीकरण के कराए जाएंगे यह कार्य–

चचाई राम मंदिर में यात्री हाल, टूरिस्ट सेल्टर, साइनेज, टायलेट ब्लाक, लैंड स्केपिंग, सोलर लाइट, पेयजल पोस्ट के कार्य कराए जाने हैं जबकि शहर के प्राचीन विश्वकर्मा मन्दिर में बाउंड्रीवाल, हाल, टायलेट ब्लाक, साइनेज, यात्री हाल, टूरिस्ट सेल्टर, मन्दिर जीर्णोद्धार, पेयजल पोस्ट लगाया जाएगा।

दोनो स्थानों पर जल्द शुरू होगा कार्य–

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रवीन्द्र कुमार मिश्र का कहना है कि दोनों ही स्थलों के सुन्दरीकरण का प्रस्ताव शासन ने मंजूर कर लिया है। रकम स्वीकृत होते ही कार्यदायी संस्था तय करने के बाद दोनों स्थलों पर निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। पूरी उम्मीद ही है एक से डेढ़ महीने में कार्य प्रारम्भ हो जायेगा।

# पहली बार में मिली सफलता, महराजगंज के अवधेश कुमार विश्वकर्मा बने डीएसपी

महराजगंज। यूपी पीसीएस–2017 के घोषित परिणाम में महराजगंज के अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने सफलता प्राप्त करते हुये डीएसपी रैंक हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार सहित जिले में भी हर्ष का माहौल है। जिले के निवासी जितेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा के पुत्र अवधेश ने पहली बार परीक्षा दी थी जिसमें सफलता पाई। परिणाम आने के बाद परिजन खुशी से झूम उठे। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। परिजन मिठाई बांटकर खुशी का इजहार कर रहे हैं।

अवधेश कुमार विश्वकर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक सरस्वती शिशु मंदिर में हुई, माध्यमिक शिक्षा लाल बहादुर शास्त्री इण्टर मीडिएट कॉलेज से हुई और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा सेठ आनंदराम जयपुरिया इंटर कॉलेज से पूरी करी। इन्होंने ग्रेजुएशन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से किया। ग्रेजुएशन के बाद अवधेश ने इलाहाबाद में यूपी पीसीएस की तैयारी शुरू कर दी। कड़ी मेहनत के बाद इन्होंने 2017 पीसीएस में डिप्टी एसपी पद पर क्वालीफाई किया। इन्होंने अपना सफलता का श्रेय अपने माता–पिता तथा नाना–नानी व गुरुजनों को दिया है। उन्होंने कहा कि दोस्तों की गाइडलाइन ने भी इस सफलता में भरपूर साथ दिया है।

# आल इण्डिया ओएनजीसी ओबीसी वेलफेयर एसोसिएशन ने निराश्रितों में बांटा कम्बल

आजमगढ़। ऑल इण्डिया ओएनजीसी ओबीसी, एमओबीसी वेलफेयर एसोसिएशन दिल्ली की तरफ से असहाय निराश्रितों एवं गरीब व्यक्तियों को ठंड से बचाव के लिए शिविर आयोजित कर कम्बल वितरित किया गया। जिले के सगड़ी क्षेत्र अंतर्गत दाउदपुर में आयोजित कम्बल वितरण शिविर के मुख्य अतिथि सगड़ी उपजिलाधिकारी रहे। स्व० रामकेवल शर्मा व स्व० सूर्यनाथ शर्मा की स्मृति में वर्तमान सरकार की नीति सबका साथ-सबका विकास के अनुरूप कार्य करते हुए सैकड़ों लोगों को कम्बल वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि सगड़ी एसडीएम राघवेंद्र सिंह ने कहा कि निस्वार्थ सेवा भाव ही कामयाबी का मूलमंत्र है। वहीं ओएनजीसी के सचिव केपी मोहिदेकर एवं संयुक्त सचिव सुधीर शर्मा ने कहा कि मनुष्य को मनुष्य क्यों कहते हैं? मनुष्य वही होता है जो दूसरों की सेवा करता है। अधिवक्ता आशीष शर्मा (पिन्टू) ने कहा कि यही प्रयास होगा कि यह सेवा निरंतर क्षेत्र में जारी रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश पाण्डेय का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर अंकुर, धीरेन्द्र वीर, संजय यादव, केदार चौहान, रमेश गौतम, अजय, अभिषेक शर्मा, रवि बाबू एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता संघ शिक्षक प्रशान्त शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में ग्रामवासियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# शिक्षाविद डॉ0 वेदप्रकाश पांचाल ने स्वर्गीय बेटे की याद में जन्मदिन पर बांटा कम्बल और सिलाई मशीन

बागपत। शिक्षाविद, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा एवं नेशनल विक्टर पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ0 वेदप्रकाश पांचाल ने अपने स्वर्गीय बेटे गौरव पांचाल की याद में जरूरतमंदों के बीच कम्बल और सिलाई मशीन वितरित किया। डॉ0 पांचाल प्रतिवर्ष 30 अक्टूबर को स्वर्गीय बेटे के जन्मदिन पर ऐसा करते आ रहे हैं। यह कार्यक्रम अपने गांव सिल्वर नगर धनोरा में करते हैं।

डॉ0 वेदप्रकाश पांचाल ने इस वर्ष भी बागपत स्थित अपने गांव सिल्वर नगर धनोरा में 30 अक्टूबर को एक कार्यक्रम आयोजित कर 100 लोगों को कम्बल व 40 महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान किया। इस कार्यक्रम में बगल के करीब 50 गांवों के प्रधान व गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिनका सम्मान डॉ0 वेदप्रकाश पांचाल द्वारा किया गया। डा0 वेदप्रकाश पांचाल प्रतिवर्ष गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करके अपने स्वर्गीय बेटे को जन्मदिन पर याद करते हुये श्रद्धांजलि देते हैं।

इस अवसर पर रमेश पांचाल राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा, डॉ0 चंद्रपाल भारद्वाज राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, संजय पांचाल राष्ट्रीय संयोजक विश्वकर्मा युवा संगठन, राजेंद्र पांचाल प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

**डा0 वेदप्रकाश पांचाल प्रतिवर्ष गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करके अपने स्वर्गीय बेटे को जन्मदिन पर याद करते हुये श्रद्धांजलि देते हैं।**

**डा0 वेदप्रकाश पांचाल ने 100 लोगों को कम्बल, 50 महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान किया। साथ ही बगल के गांवों के 50 प्रधानों को भी सम्मानित किया।**

अखिल भारतीय विश्वकर्मा पांचाल महासभा, बलवीर पांचाल गुड़गांव, विनोद पांचाल, दीपक शर्मा सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य सुशील चौधरी ने किया। पूरे गांव की ओर से डॉ0 वेदप्रकाश पांचाल को व उनकी पूरी टीम को शॉल ओढ़ाकर व मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया।

# वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री का नाम

गया। पहाड़ तोड़कर रास्ता बनाने वाले दशरथ मांझी को फ्री छेनी–हथौड़ा देने वाले शिवू मिस्त्री का नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। हैमर मैन शिवू मिस्त्री ने दशरथ मांझी को 22 साल तक फ्री छेनी-हथौड़ा दिये पहाड़ तोड़कर रास्ता बनाने के लिए। इस ऐतिहासिक व साहसिक सेवा के लिए हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री का नाम वर्ष 2019 में हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

विदित हो हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री गया जिले के वजीरगंज प्रखण्ड के दखिनगांव ग्राम के निवासी हैं। वे वजीरगंज बस पड़ाव के पास शिव कॉलोनी में रहते हैं। ज्ञात हो कि उस ऐतिहासिक छेनी और हथौड़े को गया संग्रहालय में सुरक्षित रखा गया है। उनकी इस उपलब्धि पर बिहार ही नहीं, भारत को गर्व है। वे गरीब दशरथ मांझी को 22 वर्ष तक निःशुल्क छेनी-हथौड़ा देकर उनके हौसले में जान फूंकते रहे। उनके दिए छेनी-हथौड़े के बल पर दशरथ मांझी ने पहाड़ का सीना चीरकर आमजनों के लिए 30 फीट का सुगम राह बनाई, जो अद्भुत तो है ही, ऐतिहासिक भी।

हथौड़ा पुरूष शिवू मिस्त्री ने दशरथ मांझी को माऊंटेन मैन (पर्वत पुरूष) बना दिया। वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपने नाम का स्थान पाकर बेहद हर्षित हैं हैमर पुरूष शिवू मिस्त्री। उन्होंने कहा कि वर्ष 1960 से 1982 तक लगातार फ्री में छेनी- हथौड़ा दिया पहाड़ तोड़ कर रास्ता बनाने के लिए। अगर हम छेनी-




हथौड़ा नहीं देते तो दशरथ मांझी का सपना साकार नहीं हो पाता। शिवू मिस्त्री ने बताया– 'दशरथ मांझी ने कहा कि उनके पास रूपया-पैसा नहीं, मेरे पास फूटी कौड़ी भी नहीं है। तब मैंने उसे भरोसा देते हुए कहा कि जाओ पहाड़ तोड़ो, जितना छेनी-हथौड़ा लगेगा, फ्री दूंगा। इसी बात पर मैं उसे फ्री छेनी-हथौड़ा देता गया, और वह पहाड़ तोड़ता रहा। आखिरकार, पहाड़ तोड़ कर रास्ता बना कर ही दम लिया। जो बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

साभार– अंज न्यूज मीडिया


रजि0 नं0: 2689

**ॐ कंचन काया**

**Yoga Naturopathy & Acupressure Center**

ॐ कंचनकाया चिकित्सा एवं प्रशिक्षण केन्द्र में प्राकृतिक चिकित्सा, योग चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा शारीरिक एवं मानसिक व्याधियों का समाधान तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर द्वारा चिकित्सा का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

योग अभ्यास की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप अभ्यास की सुविधा :–

☞ व्यक्तिगत योगाभ्यास की सुविधा।
☞ आवास पर योग प्रशिक्षण।
☞ केन्द्र पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सेवा।
☞ शारीरिक व्याधि जैसे मधुमेह, मोटापा, जोड़ों का दर्द, कब्ज, उच्च रक्तचाप, निम्न रक्तचाप, महिलाओं की मासिक धर्म से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान।
मानसिक व्याधि जैसे– अवसाद, अनिद्रा, अतिनिद्रा इत्यादि।

18/357, Indira Nagar
Lucknow
Mob.- 7355206306

**डा0 पूनम शर्मा, प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग विशेषज्ञ**

**Bhavya Decor**
Interior's HUB

**MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S**

E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com

**90445 00999**

# धान की भूसी से पक रहा है खाना, 7वीं पास अशोक ठाकुर के इनोवेशन ने किया कमाल

चम्पारण। अक्सर किसान खेतों में फसल के बाद बचने वाले जैविक कचरे को यूँ ही जला देते हैं। लेकिन इस कचरे का अगर सही ढंग से इस्तेमाल किया जाये तो यही कचरा ग्रामीणों के लिए पारम्परिक ईंधन का एक अच्छा विकल्प हो सकता है और साथ ही एक अतिरिक्त आय का साधन भी। बस जरूरत है तो ऐसे लोगों की, जिनके पास कचरे में से खजाना खोज निकालने का नजरिया हो।

बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी के रहने वाले 50 वर्षीय अशोक ठाकुर ऐसे ही लोगों की फेहरिस्त में शामिल हैं। लोहे का काम करने वाले अशोक ने कभी भी नहीं सोचा था कि उन्हें कभी अपने एक जुगाड़ के चलते ह्यइनोवेटरह्ल कहलाने का मौका मिलेगा।

सातवीं कक्षा के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ देने वाले अशोक ने अपने पिता से लोहे का काम सीखा। उनके पिता की एक छोटी-सी वर्कशॉप थी और आज अशोक उसे ही संभाल रहे हैं। लोगों के घरों के लिए लोहे का काम करने वाले अशोक, लोहे के चूल्हे आदि भी बनाते हैं। लोहे के चूल्हे ज्यादातर कोयले या लकड़ी के बुरादे जैसे ईंधन के लिए कारगर होते हैं। परन्तु फिर भी अशोक को कुछ अलग करने की सूझी। अशोक ने बताया– 'बिहार में धान बहुत होता है क्योंकि हमारे यहाँ चावल ही ज्यादा खाया जाता है। मैं हमेशा से देखता था कि चावल निकालने के बाद धान की भूसी को फेंक दिया जाता था। हर घर में धान की भूसी आपको यूँ ही मिल जाएगी तो बस फिर ऐसे ही दिमाग में आया कि हम इसे ईंधन के जैसे क्यों नहीं इस्तेमाल करते।'

लेकिन लोहे के जो पारम्परिक चूल्हे अशोक बनाते थे, उनमें धान की भूसी ईंधन के रूप में ज्यादा समय के लिए कामयाब नहीं थी। इसलिए उन्होंने इस चूल्हे को मॉडिफाई करके भूसी के चूल्हे का रूप दिया। अशोक कहते हैं कि उन्होंने जो भी किया वह उनके सालों के अनुभव से किया। उनके पास कोई फिक्स डिजाईन या कोई लेआउट नहीं था, उन्होंने बस अपने आईडियाज पर काम किया।

भूसी से जलने वाला चूल्हा–

इस चूल्हे की खासियत यह है कि इसे कहीं भी लाया-ले जाया सकता

है क्योंकि इसका वजन सिर्फ 4 किलो है। इसमें धान की एक किलो भूसी लगभग एक घंटे तक जल सकती है। यह चूल्हा धुंआ-रहित है और इसे कहीं भी इस्तेमाल किया जा सकता है। अशोक बताते हैं कि जब उन्होंने इस चूल्हे को सफलतापूर्वक बना लिया तो उनके इलाके के लोगों ने हाथों-हाथ इसे खरीदा। क्योंकि सबके घरों में भूसी तो आसानी से उपलब्ध थी ही और अब इस चूल्हे की वजह से उन्हें अन्य किसी ईंधन पर खर्च करने की जरूरत नहीं होती। साल 2013 में उन्होंने इस चूल्हे को बनाया था और अभी भी लगातार उनका यह चूल्हा डिमांड में है।

'सिर्फ बिहार में ही नहीं, बाहर के लोगों को भी इसके बारे में पता चला। अब बाहर से भी हमारे पास लोगों के फोन आते हैं और वे यह चूल्हा मंगवाते हैं।' अशोक ने अपनी लागत और मेहनत के हिसाब से चूल्हे की कीमत भी ज्यादा नहीं रखी है। आप उनसे यह चूल्हा मात्र 650 रुपये में खरीद सकते हैं।

नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन ने दी पहचान–

साल 2013 में 'ज्ञान और सृष्टि' के फाउंडर, अमित गुप्ता को अपनी शोधयात्रा के दौरान अशोक के इस अनोखे जुगाड़ को देखने और समझने का मौका मिला। उन्होंने नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के इनोवेटर्स की लिस्ट में अशोक का नाम भी शामिल कर लिया। अनिल गुप्ता के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को भी अशोक ठाकुर ने अपना इनोवेशन दिखाया। इसके बाद, इस चूल्हे को टेस्टिंग के लिए IIT गुवाहाटी और दिल्ली के TERI

यूनिवर्सिटी भेजा गया। वहां से मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक यह चूल्हा ग्रामीण इलाकों में हर मौसम में कारगर है। इसके बाद NIF ने अशोक ठाकुर की तरफ से इस चूल्हे पर उनका पेटेंट भी फाइल किया है।

ग्रामीणों के लिए बना रोजगार का साधन–

इस इनोवेशन के बाद बहुत से लोगों के लिए धान की भूसी एक रोजगार का साधन हो गयी। बहुत-से किसान अब इसे फेंकने की बजाय बाजारों में इसे 10 रुपये किलोग्राम की दर से बेचते हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि हमारे देश में जुगाड़ और जुगाड़ करने वालों की कोई कमी नहीं है। हम कहीं भी अपने लिए रोजगार का तरीका निकाल सकते हैं, बस जरूरत है तो कुछ अलग-हटके देखने के नजरिए की।

# गजल

**गमगुसारों की और दुनिया है**
**गम से हारों की और दुनिया है**
**सुर्ख सूरज के हैं मिजाज अलग**
**चाँद तारों की और दुनिया है।**
**जाने क्या अश्क देने वाले ये**
**अश्कबारों की और दुनिया है**
**भीड़ से तू अलग मकाम बना**
**बहते धारों की और दुनिया है।**
**सब परिंदें बखूबी वाकिफ हैं**
**खुश्क ड़ारों की और दुनिया है।**

बलजीत सिंह 'बेनाम'
सम्प्रतिः संगीत अध्यापक
विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित
विभिन्न मंचों द्वारा सम्मानित
आकाशवाणी हिसार और रोहतक से काव्य पाठ
सम्पर्क सूत्रः103/19 पुरानी कचहरी कॉलोनी,
हाँसी-125033
मोबाईलः 9996266210

# संगठन मजबूती को रथयात्रा निकालेगी झारखण्ड अभा विश्वकर्मा महासभा

रांची। अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा झारखण्ड प्रदेश की बैठक प्रदेश कार्यालय मेन रोड काली स्थान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिलीप सोनी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जिला से सूची तैयार कर संगठन के प्रति आस्था रखने वालों को प्रदेश कमेटी में स्थान दिया जाएगा। बैठक में निर्णय लेते हुये शशि शर्मा को प्रदेश संगठन सचिव बनाया गया। प्रदेश युवा मोर्चा का महासचिव पंकज प्रजापति को बनाया गया तथा रांची जिला संगठन सचिव भीम शर्मा एवं गोपाल प्रजापति को बनाया गया है। सभी पदाधिकारियों ने एकमत से विश्वकर्मा वंशजों को सत्ता में भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि राजनीतिक पार्टी विश्वकर्मा वंशजों को विधानसभा में उचित स्थान दें।

बैठक में पदाधिकारियों ने महासभा के संगठन के प्रचार-प्रसार हेतु रथ निकालने पर भी सहमति बनाई। रथ के माध्यम से प्रत्येक जिला में प्रदेश कमेटी जाकर संगठन को मजबूत बनायेगी। प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिलीप सोनी ने महिला मोर्चा, युवा मोर्चा एवं जिला के अध्यक्षों को निर्देश दिया है कि 10 दिनों के अन्दर अपनी कमेटी बनाकर घोषणा करें। डॉ0 दिलीप सोनी ने कहा कि विश्वकर्मा वंशज लौहकार, काष्ठकार, ताम्रकार, शिल्पकार तथा स्वर्णकार को राजनीतिक दल

विधानसभा में उचित स्थान देने का कार्य करें तभी विश्वकर्मा वंशज उस दल को वोट करेंगे और विश्वकर्मा के वंशज उस दल के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगा। साथ ही शेड्यूल एरिया के जो दल के प्रत्याशी हमारी मांगों की पूर्ति करेगी उसी को वोट दिया जाएगा। बहुत जल्द ही अपने 5 सूत्रीय मांग पत्र लेकर विश्वकर्मा महासभा का एक शिष्टमंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री रघुवर दास से मिलेगा।

कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश प्रजापति ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सत्ता में भागीदारी से ही हमारे समाज का विकास का रास्ता खुलेगा। विक्रांत विश्वकर्मा प्रधान महासचिव ने कहा कि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा झारखण्ड प्रदेश की कमेटी विश्वकर्मा वंशजो को एकजुट करते हुए मजबूती से आगे बढ़ रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 दिलीप सोनी के नेतृत्व में संगठन बहुत अधिक सशक्त हुई है।

बैठक में मुख्य रूप से महिला मोर्चा अध्यक्ष ललिता देवी, युवा मोर्चा अध्यक्ष शत्रुघ्न प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश प्रजापति, भीम शर्मा, गोपाल प्रजापति, राजेंद्र शर्मा, विनोद शर्मा ने भी अपने विचार रखे। बैठक का संचालन प्रदेश प्रधान महासचिव विक्रांत विश्वकर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन पंकज प्रजापति ने किया।

Bhavya Decor
Interior's HUB
MODULAR KITCHEN & WARDROBE'S
E-mail: bhavyadecor@yahoo.com , www.bhavyadecor.com
90445 00999

# साम्प्रदायिकता

**लेखक– अनिल कुमार शर्मा**
**विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान**
**बनारसी लाल सर्राफ वाणिज्य महाविद्यालय, नौगछिया**
**तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर**
**मो0-9939266560**

साम्प्रदायिक का अभिप्राय अपने धार्मिक सम्प्रदाय से भिन्न अन्य सम्प्रदाय या सम्प्रदाययों के प्रति उदासीन, घृणा, उपेक्षा, विरोधी या आक्रमण की भावना है जिसका आधार वास्तविक या काल्पनिक भय है इसमें एक सम्प्रदाय के लोग सोचते है की उनके सम्प्रदाय को अन्य सम्प्रदाय वाले नस्त कर रहे है या करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें अपने सम्प्रदाय के लोगों को जान-माल की क्षति अन्य सम्प्रदाय वाले से होने की आशंका करते हैं इसमें राजनीतिक एवं धार्मिक दोनों ही के कारण भिन्न सम्प्रदाय में झगरा होने की संभावना बनने के साथ ही साथ झगरा हो भी जाता है इससे बड़े पैमाने पर नरसंहार भी हो जाता है मुख्य रूप से धार्मिक कट्टरता, साम्प्रदायिकता को जन्म देती है इसमें एक धर्म वाले लोग अन्य धर्म को निम्न समझते है और अपने धर्म को उच्च समझते हैं।

एक धर्म वाले लोग जब दुसरे धर्म वाले लोगों से यह वास्तविक या काल्पनिक रूप से विश्वास करते है की उनके धर्म के विकास के मार्ग मई दूसरे धर्म वाले रोड़े बनकर विकास कार्य अवरुद्ध करेंगे तो साम्प्रदायिकता की भावना पनप जाती है जिस कारन व्यक्ति अपने अपने धर्म वाले को एक जुट बनाने का प्रयास करते है और अन्य धर्म के दोष को उजागर करते हैं इससे व्यक्ति उग्र होते हैं एवं सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न होती है जो बढ़ते-बढ़ते हिंसक रूप धारण कर लेता है और विरोधी धर्म के व्यक्तियों के बीच हत्याएं, आगजनी आदि घटनाएं होने लगती है।

राजनेता अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जाति या धर्म का सहारा लेते हैं। साम्प्रदायिकता में मुख्य रूप से दो सम्प्रदाय या धर्म या जाति का विवाद होता है जो नरसंहार का आधार बन जाता है भारतवर्ष में मुख्यतया दो सम्प्रदाय हिन्दू एवं मुस्लिम के बीच ही विवाद उत्पन्न होते रहा है जिस कारण बहुत दंगे हुए एवं धन-जन की क्षति हुई। जब सांप्रदायिक तनाव के कारण दंगे होते हैं तो सम्बंधित इलाके में आशांति के साथ–साथ आर्थिक दयनीयता भी आती है। हमें साम्प्रदायिकता की भावना को नियंत्रित करना चाहिए। प्रबुद्ध नागरिकों को चाहिए की जनजागरण लाकर साम्प्रदायिकता से होने वाली हानि से आम लोगों को समझाए। जनजागरण से साम्प्रदायिकता को भावना कुछ हद तक नियंत्रित हो सकती है। सरकार को भी साम्प्रदायिकता से सम्बन्धित दोषी पर कड़े दंड का शक्ति से पालन करना चाहिऐ किसी भी देश का विकास उस देश के शांति का समानुपाती होता है। राजनेता को धर्म या जाति आधार बनाकर राजनीति नहीं करना चाहिए। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी सांप्रदायिक तनाव के विरोधी रहे हैं। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम धर्म वाले के बीच सौन्दर्य प्रेम को बढ़ावा का सदा आवाहन करते रहे हैं। देश को उन्नति के लिए हमें इस नारे को बुलंद करना होगा 'हिन्दू-मुस्लिम, सिक्ख, इसाई, हम हैं आपस में भाई-भाई।'

लेखक– अनिल कुमार शर्मा
मो0-9939266560

✚ ASHOK MEDICALS ✚
Allopathic/Ayurvedic Medicine
अंग्रेजी दवाखाना
Shop No.- F24, Lotus Square
Sheikhpur, Mehndi Tola, Lucknow

# सर्वोत्कृष्ट शोध प्रकाशन के लिए अंकित विश्वकर्मा को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक

**अंकित के इससे संबंधित 10 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्ष 2014 में एमएससी टॉपर का मिला था गोल्ड मेडल**

गोरखपुर। डीडीयू में वर्ष 2019 के सर्वोत्कृष्ट शोधार्थी अंकित कुमार विश्वकर्मा हैं। वातावरण में जहरीली गैसों की पहचान करने वाला संवेदक तलाशने वाले अंकित विश्वकर्मा को विश्वविद्यालय के सर्वोत्कृष्ट शोध प्रकाशन के लिए पुरस्कृत किया गया है। दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय ने अंकित विश्वकर्मा को गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया है। अंकित को सम्मानित होते देखने पहुंचे किसान पिता रामनयन विश्वकर्मा की आंखों में खुशी के आंसू थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में भौतिक विज्ञान में परास्नातक टॉप कर बेटे अंकित ने स्वर्ण पदक जीता था और अब महत्वपूर्ण शोध पर उसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण पदक प्रदान किया है। बेटे की यह सफलता उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

अंकित विश्वकर्मा ने बताया कि वातावरण में बेंजीन, टालुइन, मेथेनाल, एथेनाल, एलपीजी आदि विषैली गैसों को पकड़ने के लिए उन्होंने थिन फिल्म गैस सेंसर बनाया है। जहरीली गैसों की पहचान करने वाले सेंसर में कैडमियम सल्फाइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड का प्रयोग किया गया है।

अंकित ने बनाई है गैस सेंसर मशीन–

भौतिकी के शोधार्थी अंकित कुमार विश्वकर्मा ने प्रोफेसर लल्लन यादव के निर्देशन में शोध करते हुए गैस सेंसर मशीन तैयार की है जो रूम टेंपरेचर पर भी एलपीजी, बेंजीन, मेथेनॉल आदि जहरीली गैसों की लीकेज सेकंड से तेज समय में पकड़कर अलर्ट कर देती है। दुनिया भर में ऐसे तमाम सेंसर उपकरण बनाए गए हैं मगर अंकित के शोध में पहली बार कैडमियम सल्फाइड में टाइटेनियम डाइऑक्साइड मिलाकर ऐसा सेंसर तैयार किया गया है। अंकित के इससे संबंधित 10 शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। वर्ष 2014 में टॉपर का मिला था गोल्ड मेडल–

जिले के सिलहटा बिशुनपुरा गांव निवासी अंकित विश्वकर्मा ने ने एमएससी की पढ़ाई भी डीडीयू से ही पूरी की है। वर्ष 2014 में डीडीयू से उन्हें एमएससी में टॉपर का गोल्ड मेडल हासिल हुआ है। वर्ष 2015 से उन्होंने अपना रिसर्च प्रारम्भ किया और प्रोफेसर लल्लन यादव की देखरेख में सफलतापूर्वक निष्कर्ष पर पहुंचे। इस समय उन्हें एसआरएफ ग्राण्ट मिल रही है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विभाग के समस्त गाइड प्रोफेसर लाल्लन यादव सहित सभी गुरूजन व पिता रामनयन विश्वकर्मा को दिया है।

# लोहा पीटने वाले अशोक विश्वकर्मा ने 1975 में बनवाया था विश्वकर्मा मन्दिर

भगवान विश्वकर्मा मन्दिर के सामने दूसरी पटरी पर अपने कार्य में व्यस्त अशोक विश्वकर्मा

लखनऊ। अशोक विश्वकर्मा खुद तो 50 साल से सड़क के किनारे लोहा पीट रहे हैं पर उमड़े आस्था के सैलाब ने सन 1975 में ही भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवा दिया था। मूल रूप से मऊ जिले के रैकवारा डीह निवासी अशोक विश्वकर्मा के पिता काफी पहले लखनऊ आ गये थे। अशोक ने सदर बाजार के पास सड़क के किनारे लोहा पीटने का काम शुरू किया। कुछ दिन बाद ही उनके मन में भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवाने का विचार आया। उनके आस्था के उमड़े सैलाब ने सन 1975 में ही वहीं सड़क के किनारे भगवान विश्वकर्मा का मन्दिर बनवा दिया। बाद में मन्दिर की साज–सज्जा अच्छी हो गई।

अशोक विश्वकर्मा प्रतिदिन मन्दिर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने के बाद अपना काम शुरू करते हैं। पहले तो वह मन्दिर से सटे भू–भाग पर लोहा पीटने का काम करते थे, 10 साल से मन्दिर के ठीक सामने दूसरी पटरी पर कार्यस्थल बनाया। उदयगंज से सदर की तरफ जाने वाले मार्ग पर बने ओवरब्रिज के नीचे से जाने पर नाले से पहले बायीं तरफ भगवान विश्वकर्मा के दर्शन होते हैं तो दाहिनी तरफ अशोक विश्वकर्मा अपनी रोजी–रोटी में व्यस्त लोहा पीटते नजर आते हैं। अशोक कहते हैं कि वह प्रतिदिन भगवान का दर्शन कर प्रसन्न रहते हैं।

# श्री लुहार सुथार ज्ञाति हित्तेसक मंडल दत्तपाडा बोरीवली में डांडिया कार्यक्रम सम्पन्न

मुम्बई। विश्वकर्मा के वागड मेवाड़ा सुथार समाज बोरीवली ईस्ट में श्री विश्वकर्मा स्टूडियो भिमासर रापर कच्छ के विश्वकर्मा समाज की मधुर सिंगर रमिलाबैन सुथार व युवा सिंगर परेशभाई सुथार व दीपकभाई सुथार के मग्धमही मीठी वाणी मे डांडिया रॉस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम श्री लुहार सुथार ज्ञाति हित्तेसक मंडल दत्तपाडा बोरीवली में सम्पन्न हुआ। आयोजक कमेटी श्री कच्छ वागड मेवाड़ा सुथार समाज बोरीवली द्वारा समाज के होनहार बच्चों का मंच पर स्वागत किया गया व पुरस्कार दिया गया।

इस मौके पर वार्षिक कैलेन्डर व समाज में बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ पर समाज बंधुओ ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय योगगुरु नीलेश पांचाल व समाजसेवी शिवलाल सुथार ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर समाज के लोगों ने एकता व प्रेमभाव डांडिया रॉस व महाप्रसाद का आनन्द लिया।

# अभावि शिल्पकार महासभा की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

देवरिया। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा जनपद देवरिया की बैठक जिलाध्यक्ष बबलू विश्वकर्मा की अध्यक्षता में 10 नवम्बर को रात्रि में विधानसभा क्षेत्र रामपुरकारखाना के नगर क्षेत्र में विजय विश्वकर्मा के आयोजन में समपन्न हुई। बैठक का संचालन अभिषेक विश्वकर्मा ने किया। बैठक में संगठन मजबूती पर चर्चा के साथ ही समाज पर हो रहे उत्पीड़न पर चिन्ता व्यक्त की गई।

# बेटियों की राह आसान बना रहीं कोमल पांचाल

समालखा। पट्टीकल्याणा की 15 वर्षीय कोमल पांचाल कुश्ती के 40-42 किग्रा में देश-विदेश में हरियाणा का नाम रोशन कर रही है। उसे कुश्ती की प्रेरणा गांव की बहू और हरियाणा पुलिस की अधिकारी कमलेश पहलवान से मिली। अब कोमल की प्रेरणा से गांव में महिला पहलवानों की फौज खड़ी हो गई है। ग्रामीण इसका उदाहरण देकर बच्चियों को कुश्ती व अन्य खेलों में भेज रहे हैं। कोमल के कारण गांव की करीब 60 बच्चियां खेलों में भाग्य आजमा रही है।

कोमल पांचाल ने 2017 में गांव के बाबा ज्ञानी राम अखाड़ा से कुश्ती की शुरूआत की थी। कोच कृष्ण पहलवान के मार्गदर्शन में ढाई साल की कड़ी मेहनत के बाद वह स्कूली प्रतियोगिता से जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गई। गांव की बेटी की शोहरत से गुरु मलखान सिंह पहलवान खेल समिति सहित ग्रामीणों में खुशी है।

कोमल की उपलब्धि–

कोमल ने एशियन चैम्पियनशिप, जापान में 36 किग्रा के अंडर-15 वर्ग में गोल्ड मेडल, अंडर-17 एशियन चैम्पियनशिप, कजाखस्तान में 40 किग्रा भार में रजत पदक, अंडर-17 वर्ल्ड चैम्पियनशिप, बुल्गारिया में 40 किग्रा में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। भारतीय कुश्ती महासंघ ने नवम्बर में होने वाली एशियन चैम्पियनशिप अंडर-15 के लिए उसका चयन कर लिया है। इसके अतिरिक्त कोमल राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर भी दर्जनों मेडल जीत चुकी है।

खिलाड़ियों में जोश–

कोमल की प्रेरणा से गांव की तान्या, काफी, कार्तिका, मयंक, कशीश, अंकिता, तमन्ना, नीरज आदि महिला पहलवान भी जिला व राज्य स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। उनमें कोमल की तरह बनने की ललक है।

# राहुल कुमार विश्वकर्मा के शोध को मिला पेटेन्ट



डॉ0 अजय सेमलटी



डॉ0 मोना सेमलटी



राहुल कुमार विश्वकर्मा



INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS GEOGRAPHICAL INDICATIONS

क्रमांक : 011111900
SL No :

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
पेटेंट कार्यालय
THE PATENT OFFICE
पेटेंट प्रमाणपत्र
PATENT CERTIFICATE
(Rule 74 Of The Patents Rules)

| | | |
|---|---|---|
| पेटेंट सं. / Patent No. | : | 309685 |
| आवेदन सं. / Application No. | : | 2965/DEL/2012 |
| फाइल करने की तारीख / Date of Filing | : | 24/09/2012 |
| पेटेंटी / Patentee | : | 1.H.N.B. GARHWAL UNIVERSITY, SRINAGAR (GARHWAL), (A CENTRAL UNIVERSITY), 2.SEMALTY, AJAY 3.KUMAR, RAHUL 4.SEMALTY, MONA |

प्रमाणित किया जाता है कि पेटेंटी को उपरोक्त आवेदन में यथाप्रकटित A NOVEL SYNERGISTIC HERBAL FORMULATION OF WITHANIA SOMNIFERA FOR ANTIHYPERLIPIDEMIC AND ANTIOBESITY ACTIVITY नामक आविष्कार के लिए, पेटेंट अधिनियम, १९७० के उपबंधों के अनुसार आज तारीख 24th day of September 2012 से बीस वर्ष की अवधि के लिए पेटेंट अनुदत्त किया गया है।

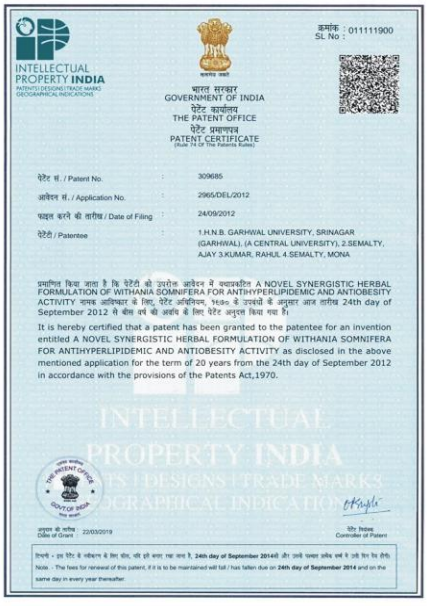

It is hereby certified that a patent has been granted to the patentee for an invention entitled A NOVEL SYNERGISTIC HERBAL FORMULATION OF WITHANIA SOMNIFERA FOR ANTIHYPERLIPIDEMIC AND ANTIOBESITY ACTIVITY as disclosed in the above mentioned application for the term of 20 years from the 24th day of September 2012 in accordance with the provisions of the Patents Act,1970.

अनुदान की तारीख : 22/03/2019
Date of Grant

पेटेंट नियंत्रक
Controller of Patent

Note. - The fees for renewal of this patent, if it is to be maintained will fall / has fallen due on 24th day of September 2014 and on the same day in every year thereafter.

गढ़वाल। हेमवती नन्दन बहुगुणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय गढ़वाल को अश्वगंधा के बीज से निर्मित हर्बल दवा पर पेटेंट मिला है जिससे लिपिड प्रोफाइल और मोटापे के प्रबंधन में मदद मिलेगी। डॉ0 अजय सेमलटी, राहुल कुमार डॉ0 मोना सेमलटी द्वारा किये गये शोध को यह पेटेन्ट मिला है। शोधकताओं का यह शोध गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए भी उपलब्धि है। पेटेन्ट मिलने से विश्वविद्यालय के शिक्षकों व शोध छात्रों में खुशी का माहौल है।

मोटापे को कम करने की हर्बल दवा का पेटेन्ट गढ़वाल विश्वविद्यालय के एम0फार्मा के छात्र के लघु शोध पर यह पेटेन्ट विश्वविद्यालय को 20 वर्षों के लिए मिला है। भारत सरकार के पेटेन्ट कार्यालय से पेटेन्ट प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। गढ़वाल विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल विभाग में तैनात असिस्टेंट प्रोफेसर अजय सिंह ने बताया कि एम0फार्मा के छात्र राहुल कुमार विश्वकर्मा के लघु शोध पर विश्वविद्यालय को मोटापा कम करने की हर्बल दवा के शोध व निर्माण का पेटेन्ट मिला है।

राहुल कुमार वर्तमान में कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एण्ड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड (भारत सरकार का उद्यम) धाखाड़, कर्नाटक में कार्यकारी अधिकारी उत्पादन के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने इससे पहले इंडियन मेडिसिन फार्मास्यूटिकल कार्पोरेशन लिमिटेड (भारत सरकार का उद्यम) मोहान, अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड में सहायक प्रबंधक उत्पादन के रूप में कार्य किया है। यह शोध चुनौतीपूर्ण था क्योंकि फामाकोग्रांसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, फार्मास्यूटिक्स और फामाकोलाजी के अनुप्रयोगों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण में लाया गया था। उन्होंने कहा कि यह काम अनोखा है क्योंकि एकल पौधे के हिस्से में एंटी–हाइपरलिपिडिमिया और मोटापारोधी गतिविधि देखी गई है।

शोधकर्ता ने उक्त फारमेशन के पेटेन्ट के लिए भारतीय पेटेन्ट अधिनियम–1970 के अनुसार 24 सितम्बर 2012 को भारतीय पेटेन्ट कार्यालय दिल्ली में गोपाल कुमार नायक एसोसिएट्स के माध्यम से आवेदन किया गया था। भारतीय पेटेन्ट कार्यालय ने शोध को 18 अप्रैल 2014 में भारतीय पेटेन्ट पत्रिका में प्रकाशित किया। सभी औपचारिकता पूर्ण करने के बाद भारत सरकार के पेटेन्ट कार्यालय की ओर से 22 मार्च 2019 को प्रमाण पत्र जारी किया गया। उक्त पेटेन्ट डॉ0 अजय सेमलटी, राहुल कुमार और डॉ0 मोना सेमलटी के नाम जारी किया गया है।

# झारखण्ड की 21 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा विश्वकर्मा समाज

राँची। झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 10 नवम्बर को स्थानीय प्रेस क्लब, करमटोली चौक, रांची में आयोजित की गई। इस बैठक में झारखण्ड के सभी 24 जिलों से विश्वकर्मा समाज के जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, प्रदेश के सभी पदाधिकारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित हुए। प्रदेश कार्यकारिणी की इस बैठक की अध्यक्षता झारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने किया।

इस बैठक में मुख्य रूप से झारखण्ड विधानसभा चुनाव–2019 में विश्वकर्मा समाज की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया। किसी भी राजनीतिक दल ने विश्वकर्मा समाज के लोगों को विधानसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। झारखण्ड राज्य में 21 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जिसमे विश्वकर्मा समाज की जनसंख्या

## झारखण्ड विश्वकर्मा समाज प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा का ऐलान

बहुत अधिक है, उन सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार खड़ा करने का निर्णय लिया गया।

जिन सीटों पर निर्दल प्रत्याशी उतारने का निर्णय लिया गया वह है 1–जमशेदपुर(पूर्वी), 2–जमशेदपुर(पश्चमी), 3–राँची, 4–हटिया, 5–गिरिडीह(सदर), 6–राजधनवार, 7–गांडेय, 8–बगोदर, 9–कोडरमा, 10–बरकट्ठा, 11–हजारीबाग(सदर), 12–बड़कागांव, 13–बरही, 14–विश्रामपुर, 15–भवनाथपुर, 16–जरमुंडी, 17–बोकारो, 18–बाघमारा, 19–टुंडी, 20–धनबाद, 21–महगामा। राज्य के सभी जिलों से आये हुए विश्वकर्मा समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी–अपनी बातों को रखा और सभी लोगों ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपना जोश खरोश दिखाया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने कहा कि झारखण्ड के 21 विधानसभा क्षेत्रों में अपना प्रत्याशी देकर विश्वकर्मा समाज जनमत संग्रह करेगा। किसी भी राजनीतिक दल ने विश्वकर्मा समाज के लोगों को प्रत्याशी नहीं बनाया है जबकि झारखण्ड में विश्वकर्मा समाज की आबादी लगभग 5 प्रतिशत (15 लाख) है। राजनीतिक दलों ने हमारे समाज की हमेशा अवहेलना की है। हमारे कार्यकर्ता डोर टू डोर जायेंगे, विश्वकर्मा समाज के लोग अपने समाज को एकजुट कर जनमत संग्रह करेंगे।

इस बैठक में अर्जुन शर्मा, संतन शर्मा, प्रदीप शर्मा, संजय शर्मा, कोषाध्यक्ष शंकर विश्वकर्मा, दिलीप शर्मा, दिलीप शर्मा, संतोष कुमार, बिनोद राणा, मनोज विश्वकर्मा, गंगाधर शर्मा, डॉ0 बाबूलाल शर्मा, आनन्द विश्वकर्मा, जगदीश शर्मा, डी0के0 राणा, लखन शर्मा, सुनील राणा, देवकी राणा, धनन्जय राणा, दीपक राणा, अशोक शर्मा, रमेश मिस्त्री, दिलीप शर्मा, अवधेश शर्मा, गौतम शर्मा, शंकर राणा, महावीर राणा, कृष्णा शर्मा, उमेश राणा, मुन्ना शर्मा सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवम सदस्य शामिल हुए।

# ‘इण्डिया बुक ऑफ रिकार्ड’ में दर्ज हुआ हमीरपुर के अवनीश विश्वकर्मा का नाम

हमीरपुर। जिले के राठ क्षेत्र अन्तर्गत बरौली निवासी अवनीश विश्वकर्मा स्टेपलर पिन, माचिस की तीली, कील, धूप आदि से विभिन्न महापुरुषों के चित्र बनाते हैं। अवनीश ने बताया कि 17005 स्टेपलर पिन की मदद से युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद जी का चित्र बनाया। इस चित्र को बनाने में उन्हें 8 दिन का समय लगा। उनकी इस अद्भुत कलाकृति को ‘इण्डिया बुक आफ रिकार्ड’ में दर्ज किया गया है। अवनीश की इस सफलता पर समूचे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

इससे पहले अवनीश विश्वकर्मा ने दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में पहला स्थान प्राप्त किया था। इस प्रतियोगिता में 9 देशों के 32 कलाकारों ने हिस्सा लिया था। अवनीश ने इस प्रदर्शनी में 3932 लोहे की कीलों से बना प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का चित्र, सूर्य के प्रकाश से बनी मदर टैरेसा तथा माचिस की तीली व प्रकाश से बनी पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की छायाकृति प्रस्तुत की थी। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए निर्णायक मंडल द्वारा अवनीश को पहला स्थान दिया गया। अवनीश विश्वकर्मा का लक्ष्य अब अपनी कला की बदौलत गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल होना है।

**अवनीश विश्वकर्मा का लक्ष्य अब अपनी कला की बदौलत ‘गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड’ में शामिल होना है।**

## समाज के लोगों ने अविनाश को दी बधाई व शुभकामनाएं

अवनीश विश्वकर्मा की कला और उसकी सफलता के लिये तमाम सामाजिक लोगों ने शुभकामनाएं दी है। राठ के मूल निवासी अब लखनऊ में रहकर विद्यालय संचालित कर रहे वरिष्ठ समाजसेवी राकेश विश्वकर्मा ने कहा कि अवनीश ने अपने गृहक्षेत्र के साथ ही विश्वकर्मा समाज का भी नाम रोशन किया है। राठ के ही लक्ष्मी प्रसाद विश्वकर्मा, विनोद शर्मा आदि लोगों ने भी अवनीश को बधाई दी है।

# अपनी मिट्टी की सौंध होना बहुत जरूरी– चोयल

रिपोर्ट– मनोज कुमार शर्मा

**परिचर्चा में कलाविद आर0बी0 गौतम ने 'राजस्थान में समसामयिक कला' विषय पर विचार व्यक्त किये तो डॉ0 शैल चोयल ने 'कला में नवाचार' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कला के विभिन्न कालों को दृश्यों के रूप में दिखाकर कला के मोहनजोदड़ो काल से लेकर वर्तमान काल तक के सफर को सबको वाकिफ कराया।**

जयपुर। कलावृत्त एवं स्नेहा आर्ट गैलरी के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान ललित कला अकादमी परिसर में सम्पन्न हुये चार दिवसीय समसामयिक चित्रकला कैंप एवं परिचर्चा-2019 सम्पन्न हुई। शिविर में आये सभी कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों को आकार एवं रंग प्रदान किये। कलाकारों ने अपनी विभिन्न कलाकृतियों को पूर्ण करते हुए अपने भाव व विचारों को भी कैनवास पर बखूबी उकेरा, वही कैम्प में आए कला प्रेमियों और कला छात्रों ने भी इन तमाम कलाकृतियों को मजे से देखा और जमकर सराहा।

इसके साथ ही यहां आयोजित परिचर्चा में कई वरिष्ठ कलाकारों ने अपने विचार व्यक्त किए एवं बदलते परिवेश में कला परिदृश्य को सबके सामने रखा। इस दौरान परिचर्चा में आए स्टूडेंट्स और कला के जानने वाले लोगों ने कलाकारों से संवाद व सवाल कर अपनी जिज्ञासा को शांत भी किया। परिचर्चा की शुरूआत में सभी कलाकारों ने दिवंगत कलाविद डा0 सुमहेन्द्र को नमन कर कला जगत में उनके सम्पूर्ण योगदान को याद कर उनकी कलाकृतियों में छिपे हुए भावों को सबके सामने प्रस्तुत किया।

इस दौरान कलाविद आर0बी0 गौतम, उदयपुर के डॉ0 शैल चोयल और प्रोफेसर भवानी शंकर शर्मा ने विभिन्न विषयों पर परिचर्चा में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में कला जगत में हो रहे बदलाव को भी सबके सामने रख, उनकी आवश्यकता और सार्थकता के बारे में भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। परिचर्चा में कलाविद आर0बी0 गौतम ने 'राजस्थान में समसामयिक कला' विषय पर बात करते हुए कला में बढ़ते औद्योगीकरण पर भी चिंता जताई। साथ ही इस बात की भी आवश्यकता जताई कि कला को पारंपरिक कला को सृजनात्मकता के रूप में विकसित कर आगे क्या किया जाना चाहिये।

डॉ0 शैल चोयल ने 'कला में नवाचार' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कला के विभिन्न कालों को दृश्यों के रूप में दिखाकर कला के मोहनजोदड़ो काल से लेकर वर्तमान काल तक के सफर को सबको वाकिफ कराया। साथ ही कला जगत में बाहरी दिखावे और चकाचौंध को लेकर चिंता भी व्यक्त करते हुए कहा कि कला चाहे किसी भी प्रकार की हो लेकिन कला में अपनी मिट्टी की सौंध होना बहुत जरूरी है, जो कि सुमहेन्द्र जी की कलाकृतियों में बखूबी आज भी आती है।

इस अवसर बात करते हुए शैल चोयल कहा कि कला समय का दस्तावेज होने के साथ ही स्वयं कलाकार का आईना भी होती है। आधुनिक कला हमें सिखाती है कि हमें सबको आजमाना चाहिए और सबका इस्तेमाल करते हुए खुद की सृजनात्मकता को रंगाकार प्रदान करना चाहिये। परिचर्चा के आखिर में डॉ सुमहेन्द्र के पुत्र संदीप सुमहेन्द्र ने सभी कलाकारों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी का आभार जताया एवं कला जगत में अपने पिता के योगदान को खुद के द्वारा भी हमेशा कायम रखने का भरोसा सभी को दिलाया।

# जीवन की सफलता का आधार है खेल– मनीष विश्वकर्मा

बागपत। स्व0 जयकुमार पांचाल की स्मृति में आयोजित विश्वकर्मा ट्राफी टी-20 ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वकर्मा एकता विकास सभा के प्रदेश अध्यक्ष समाजसेवी एडवोकेट मनीष विश्वकर्मा, मास्टर विनोद विश्वकर्मा तथा इं0 राजेन्द्र पाल पांचाल ने फीता काटकर किया। इस मौके पर मनीष विश्वकर्मा ने कहा कि प्राचीन समय से ही खेलों को जीवन जीने का आधार माना गया है। इससे हमारे शरीर का विकास तो होता ही है, साथ ही यह हमारे जीवन को भी सफल बनाता है। खेल भारतीय संस्कृति एवं एकता का प्रतीक भी है, इसमे कोई भी जाति–भाषा तथा धर्म का विरोध नही किया जाता, अपितु कोई भी किसी भी धर्म का व्यक्ति इसे खेल सकता है। खेल हमारे मार्ग की प्रगति को सुनिश्चित कर एक सफल जीवन बनाने मे सहायक है।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है, यह हमारे शारीरिक एवं मानसिक दोनों के विकास का श्रोत है।एक सफल इंसान के लिए चाहिए कि वह मानसिक तथा शारीरिक दोनों रूप से स्वस्थ रहें, शारीरिक विकास के लिए व्यायाम जरूरी है जो हमें खेलों के माध्यम से प्राप्त होता है। क्रिकेट शरीर को स्वस्थ बनाए रखने मे लाभकारी है।

इस मौके पर ओमदत्त पांचाल (आयोजक), नईमा खान, एडवोकेट अनिल दिवाकर, एडवोकेट सरफराज मलिक, एडवोकेट सुनील शर्मा, एडवोकेट शिव पांचाल, सोनू विश्वकर्मा, रोहताश विश्वकर्मा, परमजीत विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, रूपचंद विश्वकर्मा, रामनाथ विश्वकर्मा, एडवोकेट जोनी पांचाल, विक्रांत खांकरा, अमन खांकरा, अभय कुमार, अरुण, राजकुमार, प्रताप, मुकेश, अनिल, विकास, सचिन, मास्टर कंवरपाल, राजू, विपिन पवार, सन्दीप पवार, अनुज पंवार, सतीश पवार, बिजेंद्र, जगपाल, मोनू तंवर, राहुल राणा, सचिन, मास्टर मनोज, हरेंद्र, सोमपाल, गौरव, सुनील, बादशाह, पंकज सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# टिक–टॉक स्टार बने गड़िया लोहार दम्पत्ति सोशल मीडिया पर मचा रहे धमाल

बूंदी। इन दिनों सोशल मीडिया के सबसे पसंदीदा प्लेटफॉर्म में से एक है टिक–टॉक। युवा पीढ़ी पर इस मोबाइल एप्प का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। टिक–टॉक पर वीडियो बनाकर अब तक कई लोग फेमस हो चुके हैं। ऐसे ही टिक–टॉक यूजर्स में राजस्थान से पति–पत्नी का जोड़ा भी शामिल हो गया है।

बूंदी जिले के नैनवा के हैं ये टिक–टॉक दम्पत्ति–

इस जोड़े की सबसे खास बात है कि यह गड़िया लोहार परिवार से ताल्लुक रखता है। राजस्थान में गड़िया लोहार परिवार की स्थिति अच्छी नहीं है। अधिकांश गड़िया लोहार परिवार के सिर पर छत तक नसीब नहीं है। राजस्थान के बूंदी जिले के नैनवा निवासी पति–पत्नी का टिक–टॉक स्टार बनना सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

**इस टिक–टॉक दम्पत्ति के फेमस होने का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि टिक–टॉक पर एक लाख 14 हजार लोग इनको फॉलो करते हैं। इनके वीडियो को 15 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं।**

पति 12वीं पास, पत्नी अनपढ़–

बता दें कि नैनवां कस्बे के जजावर मोड़ पर गड़िया लोहारों की टापरियों रहने वाला 22 वर्षीय हंसराज और उसकी पत्नी सोना टिक–टॉक पर वीडियो बनाकर फेमस हो रहे हैं। दोनों बेहद गरीब परिवार से हैं। फिल्में कभी नहीं देखी, मगर फिल्मों के गानों और डायलॉग पर इनकी एक्टिंग को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। हंसराज 12वीं तक पढ़ा लिखा है जबकि इसकी पत्नी सोना अनपढ़ है। टापरियों में रहकर दोनों सोशल मीडिया पर चलने वाले गानों को देख कर ही अभिनय करना सीख गए। एक वर्ष से टिक-टॉक पर फिल्मी गीतों पर अभिनय कर बनाये वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं।

एक लाख से ज्यादा फॉलोवर–

इस टिक–टॉक दम्पत्ति के फेमस होने का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि टिक–टॉक पर एक लाख 14 हजार लोग इनको फॉलो करते हैं। इनके वीडियो को 15 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। यह दम्पत्ति अब तक 291 गीतों पर वीडियो बना चुका है। उसमें सबसे ज्यादा 'मैं दुनिया से चला जाऊंगा' गीत पर बनाया वीडियो लोकप्रिय रहा है। इसे 31 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं और तीन लाख 53 हजार से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं। टिक–टॉक पर दोनों ने 'वादा है वादा' गीत पर अभिनय का पहला वीडियो डाला था। जिसको 32 लाख लोगों ने देखा था और दो लाख 64 हजार लाइक्स मिले।

पत्नी का साथ मिला तो हुआ फेमस–

सरदार लोहार के बेटे हंसराज ने बताया कि 12वीं कक्षा पास करने के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। दक्षिण भारत के अभिनेता अलु अर्जुन का टिक-टॉक पर अभिनय देखा तो उसके मन में आया कि ऐसी कला तो मैं भी दिखा सकता हूं। पहले पत्नी को टिक-टॉक के लिए अभिनय करना सिखाया। उसके बाद दोनों मिलकर वीडियो बनाने लगे। लोग कमेंट और लाइक के जरिए इनका उत्साह बढ़ाते हैं।

# बादल तो सबको आंख दिखा कर चले गए

रायबरेली। राष्ट्रीय कवि संगम रायबरेली इकाई द्वारा सतांव रायबरेली में एक काव्य संध्या का आयोजन नोएडा से पधारे हास्य कवि बाबा कानपुरी के सम्मान में किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि डॉ0 देवी बख्श सिंह वैस ने की।

मंच का संचालन करते हुए ओज के युवा कवि नीरज पांडे ने कहा बाबा कानपुरी की जन्मभूमि ग्राम-झूलपुर, जिला रायबरेली है और हास्य कवि के रूप में उन्हें पहचान कानपुर से मिली। उनकी कर्मभूमि देश का बड़ा औद्योगिक नगर नोएडा है जो कि आवासीय दृष्टि से भी जो आज आदर्श नगर के रुप में जाना जाता है। जिसे उन्होंने अपनी साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों से एक राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। वह एक प्रतिष्ठित हास्य कवि ही नहीं बल्कि गीत-गजल और कविता

की अन्य विधाओं में भी उनका पूरा दखल है। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ कवि कुमार सुरेश ने अपने प्रेरक गीत 'जिंदगी सार्थक तेरी हो जाएगी' से किया।

काव्य पाठ के क्रम में सन्तोष शर्मा उर्फ बाबा कानपुरी ने महानगरीय विसंगतियों पर कुछ दोहे सुनाए। उन्होंने कहा- खाने पर प्रतिबंध है, सम्मुख छप्पन भोग। उन्हें खिला सकते नहीं, भूखे हैं जो लोग।। उनके इस दोहे की काफी सराहना हुई।

कार्यक्रम में युवा कवि पंकज शर्मा, विज्ञान रत्न, अनुपम शर्मा, राजेश शर्मा आदि की उपस्थिति सराहनीय थी।

## -विशेष अनुरोध-

**प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!**

आप सभी जानते हैं कि ''**विश्वकर्मा किरण**'' हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 20वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

| | | |
|---|---|---|
| Account Name | : | VISHWAKARMA KIRAN |
| Account No. | : | 4504002100003269 |
| Bank Name | : | PUNJAB NATIONAL BANK |
| Branch | : | SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.) |
| IFSC Code | : | PUNB0450400 |

## Er. R.K. Sharma

9839043150
9415438554

Email: kumarfab@rediffmail.com

# Kumar Construction & Engineers

Appro. Govt. 'A' Class Contractor Civil & Mechanical
Specialist in: Steel Building Construction
Deals in: Civil Sanitory, Electrical & Fabrication Erection

M.I.G. 'C'-759, 760, Barra-8, Kanpur-208027

---

Tel. (Off.): 022-25952102
Cell: 09821243732
09324092819

## Balgovind Sharma (Bachhan)

# VIJAY ENTERPRISES

**Specialist In: Blow Moulds, Dies & Patterns**

**38, Shiva Estate, Next to Tata Power House**
**Lake Rode, Bhandup (W) Mumbai-400078**
**E-mail: blow.mould@hotmail.com**

---

**ShantiLal Gehlot**
Mob.- 9819287799

**Kailash**
Mob.- 9773000649

# Shiv Shakti Interior

*Interior
*Designer
*Consultant

**B-150, Shahavi Colony 1st Flour Near Costom Shop**
**Navghar Road Mulund (E) Mumbai-400081**
**E-mail: shivshaktiinterior@gmail.com**

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157




लकड़ी की सुंदरता ... काटने और शामिल होने की खुशी को अवशोषित करती है.

कई वर्षों के जुनून के माध्यम से तैयार की जाती है...

ये वे कारण हैं जिनसे आप वुडवर्किंग को प्यार करते हैं।

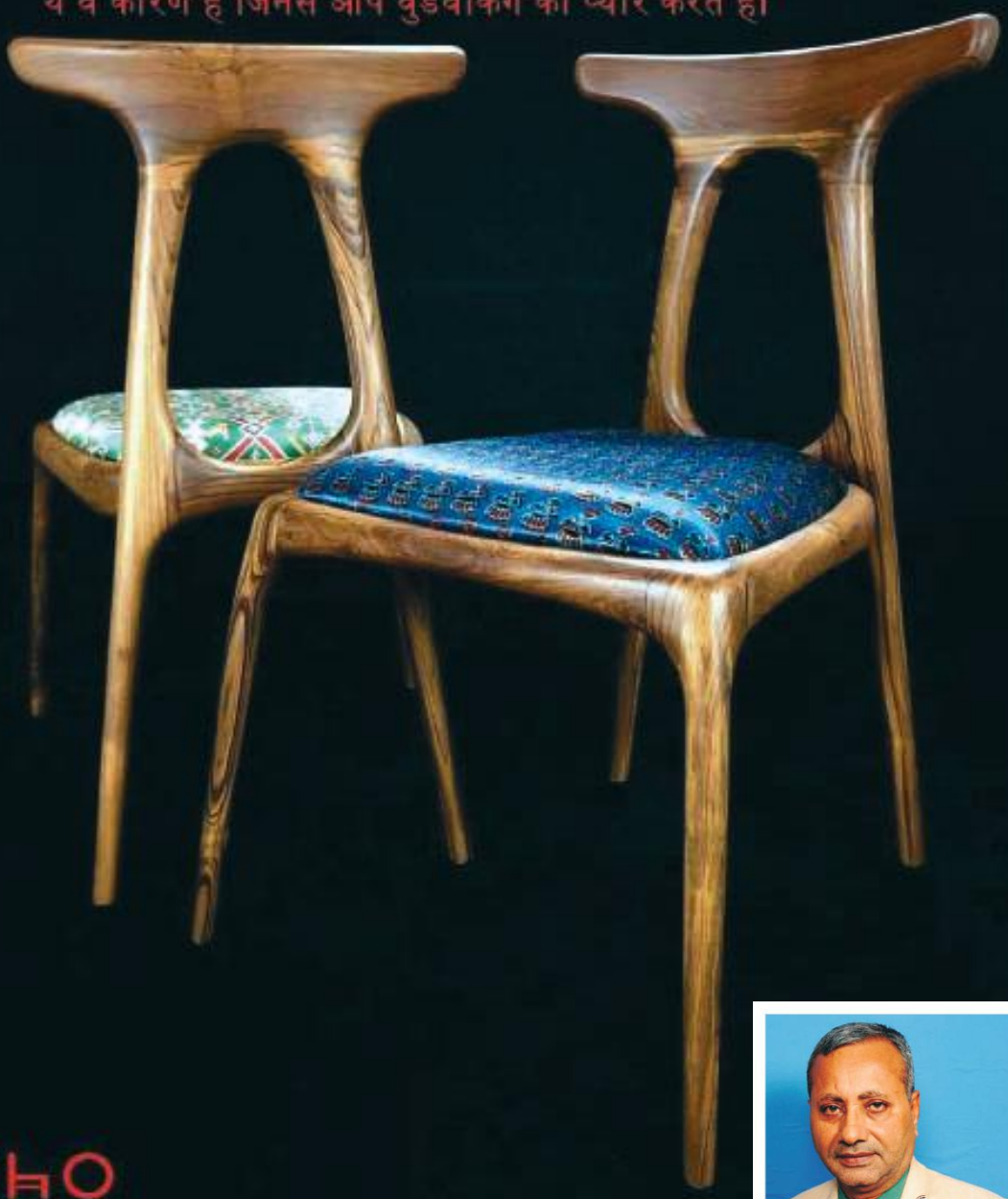

POCHO
LIVING

32-A ,MELADI ESTATE,LANE-4,GOTA .AHMEDABAD.382481,
GUJURAT,INDIA.
MO:+91 992 446 7299.E-MAIL:POCHOLIVING@GMAIL.COM



Propriter-
Bharat Suthar
Mob.-9825070867

Western Planned
Success by Designs Not by Chance
Engineering • Survey • Planning • Designs
Construction • Fabrication • Erection • Execution
www. westernconfab.com

WESTERN
InfraProjects Pvt. Ltd.

206 , APM Mall
Opp. Sun - N - Step Club
SAL Hospital - Sola Road
AHMEDABAD - 380 061

westernconfab@gmail.com • western_confab@indiatimes.com • wcfe_bharat@rediffmail.com
Office +91 - 79 - 274 60 902, Home +91 - 79 - 274 34 694, Fax +91 - 79 - 274 60 902, Cell +91 - 98 250 70 867

INFRASTRUCTURE • INDUSTRIAL • INSTITUTIONAL PROJECTS • CONSTRUCTOR & BUILDERS